राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,१७मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -५३ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरक्षण सीमा पर पुनर्विचार की जरूरत पर सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की संविधान पीठ ने की सुनवाई

नई दिल्ली। आरक्षण की 50 फीसद की अधिकतम सीमा पर पुनर्विचार की जरूरत पर सुप्रीम कोर्ट में मंथन शुरू हो गया है। सोमवार को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ में 28 साल पहले इंदिरा साहनी फैसले में तय की गई आरक्षण की अधिकतम 50 फीसद सीमा पर पुनर्विचार की जरूरत पर सुनवाई शुरू हुई। केरल की ओर से चुनाव की दुहाई देते हुए सुनवाई टालने का अनुरोध किया गया, लेकिन कोर्ट ने मांग ठुकरा दी और सुनवाई शुरू कर दी।

याचिकाकर्ताओं ने इंदिरा साहनी फैसले को पुनर्विचार के लिए पीठ को भेजने का किया विरोध

सबसे पहले महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का विरोध कर रहे याचिकाकर्ताओं की ओर से पक्ष रखा गया जिसमें इंदिरा साहनी के फैसले को पुनर्विचार के लिए 11 न्यायाधीशों की पीठ को भेजने का विरोध किया गया। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि आरक्षण की 50 फीसद सीमा लक्ष्मण रेखा है और सभी राज्यों को इसका पालन करना चाहिए। इस पर पुनर्विचार की जरूरत नहीं है क्योंकि इंदिरा साहनी फैसले के बाद पांच बार संविधान पीठ ने उस फैसले को अपनाया है और कभी भी आरक्षण की 50 फीसद सीमा पर सवाल नहीं उठाया। याचिकाकर्ताओं की ओर से बहस मंगलवार को भी जारी रहेगी।

छह कानूनी सवाल जिस पर कोर्ट विचार करेगा

आठ मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने छह कानूनी सवाल तय किए थे जिनमें कोर्ट विचार करेगा कि क्या आरक्षण की तय अधिकतम 50 फीसद सीमा पर पुनर्विचार की जरूरत है। क्या 50 फीसद सीमा तय करने वाले इंदिरा साहनी फैसले को पुनर्विचार के लिए बड़ी पीठ को भेजा जाना चाहिए। इस पर भी विचार होना है कि क्या संविधान के 102वें संशोधन के बाद से राज्यों का पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने का कानून बनाने का अधिकार बाधित हुआ है और क्या इससे संविधान में दी गई संघीय ढांचे की नीति प्रभावित हुई है।

फिर से लॉकडाउन, कर्फ्यू... आखिर पीएम नरेंद्र मोदी को क्यों बुलानी पड़ी मुख्यमंत्रियों की मीटिंग?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों का साथ बैठक करेंगे। इस दौरान देश में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों पर चर्चा की जाएगी।

- पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बुलाई है मुख्यमंत्रियों की बैठक
- महाराष्ट्र ही नहीं, 10 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में हालत खराब
- बढ़ते जा रहे हैं मामले, वैक्सिनेशन कैंपेन की रफ्तार अभी धीमी
- कई राज्यों में लॉकडाउन, कर्फ्यू, कड़े नियमों की नौबत आई

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की महामारी फैले एक साल से ज्यादा हो गया। वैक्सीन बना ली गई और व्यापक अभियान चलाकर करोड़ों लोगों को दी भी जाने लगी। जब धीरे-धीरे आम जिंदगियां पटरी पर आने लगनी चाहिए थीं, एक बार फिर यह महामारी सिर उठाने लगी है। हालात कुछ यूं बिगड़ रहे हैं कि कई जगहों पर फिर से लॉकडाउन लगाने की नौबत आ गई है।

महाराष्ट्र के कई शहरों में लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू का सहारा लिया जा रहा है। पंजाब के आठ जिलों में भी नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। राज्य और जिला प्रशासन कड़े नियम लागू कर रहे हैं और वैक्सिनेशन को तेज करने की जरूरत पता लगने लगी है। शायद यही कारण हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक बैठक बुलाई है जिसमें हालात पर चर्चा की जाएगी।

सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में

देश में पिछले कुछ हफ्तों में सबसे ज्यादा हालात महाराष्ट्र में बुगड़ रहे हैं। पिछले एक हफ्ते में देश में सामने आए कुल मामलों में से 61 प्रतिशत महाराष्ट्र के हैं। सोमवार को देश भर में 24,458 मामले सामने आए जो रविवार को मिले 26,386 मरीजों से कुछ कम रहा। हालांकि, आमतौर पर सोमवार को नए मामलों की संख्या में गिरावट देखी जाती है जो इस सोमवार नहीं हुआ। पिछले हफ्ते सोमवार को इस हफ्ते से 9000 कम केस सामने आए थे।

दूसरे राज्यों में भी बिगड़े हालात

हालांकि, ऐसा नहीं है कि हालात सिर्फ महाराष्ट्र में चिंताजनक हैं। कम से कम 10 देशों या केंद्र शासित प्रदेशों में एक हफ्ते में मरीजों की संख्या में काफी ज्यादा बढ़त देखी गई है। केरल, ओडिशा, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़कर बाकी पूरे देश में मरीजों की संख्या में भारी इजाफा देखा गया है। महाराष्ट्र के अलावा पंजाब, कर्नाटक, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में यह बढ़त दर्ज की गई। हरियाणा, आंध्र प्रदेश, दिल्ली और चंडीगढ़ में भी कुछ बढ़त देखी गई है।

आंकड़ों में पहली वेव जैसी बढ़त

इस साल की शुरुआत में रोजाना 10 हजार केस सामने आ रहे थे जो अब 25 हजार तक पहुंच गए हैं। 8 से 15 मार्च वाले हफ्ते में पिछले हफ्ते के मुकाबले 38,714 मामले ज्यादा आए। यह 7 से 13 सितंबर के बाद वीकली केसेज में सबसे ज्यादा बढ़त है। वीकली केसेज 8 से 14 जून 2020 वाले हफ्ते के बाद से 8 से 14 फरवरी वाले हफ्ते में सबसे कम हो गए थे। उस वक?त हफ्ते भर में 77 हजार से थोड़ा ज्यादा केसेज दर्ज हुए थे।

दिल्ली के लोगों को करना होगा तेज गर्मी का सामना, तापमान 3 डिग्री बढ़ने के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को तेज गर्मी का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन-चार दिनों में अधिकतम तापमान में तीन डिग्री तक का इजाफा हो सकता है। इसके चलते पारा लगातार 35 डिग्री के पार बना रह सकता है। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सोमवार को दिन चढ़ने के साथ तेज धूप का सामना करना पड़ा। अब तेजी से गर्मी बढ़ने के आसार हैं। सफदरजंग केंद्र में सोमवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री रहा जो कि सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि दिन के समय आसमान साफ रहेगा और तेज धूप खिली रहेगी। तापमान में तेजी से इजाफा होने की संभावना है और यह 35 के पार बना रह सकता है।

रात के समय भी बढ़ी गर्मी-दिल्ली में अब रात में भी तापमान में इजाफा हो रहा है। सोमवार को स्पोर्ट्स कॉलेज मौसम केंद्र में न्यूनतम तापमान 21.1 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग पांच डिग्री ज्यादा है।

खराब होगी वायु गुणवत्ता

राजधानी में अगले दो-तीन दिनों में धूल की

मात्रा बढ़ने के आसार हैं। सफर के मुताबिक राजस्थान की ओर से आने वाली हवा अपने साथ धूल लेकर आ रही है। इसके चलते दिल्ली की वायु गुणवत्ता और खराब होने की आशंका है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 208 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है। चांदनी चौक का सूचकांक 317 के अंक पर यानी बेहद खराब श्रेणी में रहा।

बस और ऑटो में अश्लील गाना बजाया तो परमिट होगा रद्द

परिवहन विभाग ने की सख्ती

भागलपुर। यात्री वाहनों (ऑटो और बस) में अश्लील गीत बजाने वाले वाहनों का परमिट रद्द होगा। परिवहन विभाग ने इस बाबत सभी जिलों को निर्देश दिया है। पटना सहित सभी जिलों को कहा गया है कि वे अभियान चलाकर इस दिशा में कार्रवाई करें। परिवहन विभाग की ओर से विभाग के सभी संयुक्त आयुक्त, जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक व प्रवर्तन अवर निरीक्षक को पत्र भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि साल 2018 में ही राज्य परिवहन प्राधिकार की बैठक में सार्वजनिक वाहनों मसलन टेंपो, बस आदि में अश्लील गाना, वीडियो नहीं बजाने का निर्णय परमिट की आवश्यक शर्तों में जोड़ा गया है। इसके निर्णय के आलोक में तय किया गया है कि इस आदेश का हर हाल में पालन हो। किसी भी परिस्थिति में सार्वजनिक यात्री वाहनों में अश्लील गीत या वीडियो नहीं चले, इसे सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है कि

इसपर कठोरता से कार्रवाई हो। विभागीय अधिकारियों को कहा गया है कि पर्व-त्योहार के दौरान इस तरह की शिकायतें मिलती है कि सार्वजनिक यात्री वाहनों में अश्लील गीतों को अधिक बजाया जा रहा है, जिससे यात्री सफर के दौरान असहज महसूस करते हैं। विभाग ने कहा है कि विभागीय आदेश के मद्देनजर टेम्पो, बस, ट्रक व अन्य व्यवसायिक वाहनों में अश्लील गाने बजाए जाते हैं तो जिला प्रशासन का सहयोग लिया जाए। पुलिस-प्रशासन से सहयोग लेकर ऐसे वाहन चालकों पर कार्रवाई की जाए। इन वाहनों का परमिट रद्द हो। इसके अलावा अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जाए।

स्कूल-कॉलेज के पास होगी नियमित जांच-अभियान के दौरान स्कूल-कॉलेज के समीप से गुजरने वाली गाड़ियों पर अधिक नजर रहेगी। जहां भी लड़कियों के स्कूल, कॉलेज हैं, उन इलाकों में चलने वाले बस-ऑटो में सख्ती से रैंडम जांच की जाएगी। इसके लिए विभागीय अधिकारियों की टीम ऐसे स्थानों पर मुस्तैद रहेगी।

महिलाओं के खिलाफ मामलों में समय पर एफआईआर दर्ज नहीं किया जाना चिंता की बात- संसदीय समिति

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में समय पर प्राथमिकी दर्ज नहीं किए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में पीड़ितों एवं उनके परिवारों को न्याय मिलने में देरी होने या नहीं मिलने का यह एक प्रमुख कारण है।राज्यसभा में कांग्रेस सदस्य आनंद शर्मा की अध्यक्षता वाली गृह मामलों की स्थायी समिति की रिपोर्ट में यह सिफारिश की गई है कि पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की जा रही हैं या नहीं, इसका पता लगाने के लिए आपरेशन चलाया जाना चाहिए जैसा राजस्थान पुलिस ने चलाया है। रिपोर्ट में कहा गया है, समिति का कहना है कि महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में पुलिस थानों में समय पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाती है और यह पीड़ितों एवं उनके परिवारों को न्याय मिलने में देरी होने या नहीं मिलने का यह एक प्रमुख कारण है। समिति ने विभिन्न श्रेणियों की शिकायतों खासकर महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराध को लेकर प्राथमिकी दर्ज करने के

लिए आनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था विकसित करने एवं उसे बढ़ावा देने की सिफारिश की। इसमें कहा गया है कि गृह मंत्रालय को सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को इस बारे में विस्तृत परामर्श जारी करना चाहिए।

पांच साल में 33 फीसदी कम हुआ भारत का हथियारों का आयात, रूस पर पड़ा सबसे ज्यादा असर: सिपरी रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में 2011-15 और 2016-20 के बीच हथियारों के आयात में 33 फीसदी की कमी आई है और इसका सबसे ज्यादा असर रूस पर पड़ा है। स्टॉकहोम के रक्षा थिंक टैंक सिपरी की सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की जटिल खरीद प्रक्रिया और रूसी हथियारों पर निर्भरता कम करने की कोशिशों के तहत भारतीय हथियार आयात में कमी आई है। पिछले कुछ सालों में भारत ने घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय

चीनी हथियारों के बड़े खरीदारों में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अल्जीरिया थे। सिपरी ने कहा कि अमेरिका हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक है

किए हैं ताकि सैन्य साजो-सामान के आयात पर निर्भरता कम हो सके। राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में रक्षा राज्यमंत्री श्रीपद नाइक ने कहा कि घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 2018-19 और 2020-21 के बीच करीब 1.99 लाख करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की रिपोर्ट में कहा गया, 'भारत में 2011-15 और 2016-20 के बीच हथियारों के आयात में 33 फीसदी की कमी आई। रूस सर्वाधिक प्रभावित आपूर्तिकर्ता रहा, हालांकि अमेरिका से भी भारत में हथियारों के आयात में 46 फीसदी की कमी आई।' सरकार घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और 2025 तक 1.75 लाख करोड़ रुपये के रक्षा कारोबार का लक्ष्य रखा है। सिपरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस और चीन दोनों के हथियार निर्यात में कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन द्वारा हथियारों के निर्यात में 2016-20 के दौरान 7.8 फीसदी की कमी आई है। चीनी हथियारों के बड़े खरीदारों में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अल्जीरिया थे। सिपरी ने कहा कि अमेरिका हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक है और 2011-15 और 2016-20 के दौरान उसका हथियारों का निर्यात 32 फीसदी से बढ़कर 37 फीसदी हो गया।

7 दिन में 12 देशों ने ऑक्सफोर्ड-ऐस्ट्राजेनेका वैक्सीन के इस्तेमाल को रोका

भारत में क्या स्थिति?

नई दिल्ली। कोरोना महामारी से संघर्ष के बीच उम्मीद बनकर उभरी ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन का इस्तेमाल पर बीते सात दिनों के अंदर 12 देशों ने रोक लगा दी है। सोमवार को जर्मनी, फ्रांस, इटली और स्पेन ने भी इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दी। इसके अलावा नीदरलैंड ने भी ऐस्ट्राजेनेका की वैक्सीन पर रोक लगा दी है। दरअसल, वैक्सीन लगवाने के बाद खून के थक्के जमने के गंभीर मामले सामने आने की वजह से ऐसा किया गया है। भारत में भी ऐस्ट्राजेनेका की कोविड वैक्सीन टीकाकरण अभियान का अहम हिस्सा है। इसे सीरम इंस्टिट्यूट ने बनाया है। इससे पहले आयरलैंड, बुल्गारिया, डेनमार्क, नार्वे और आइसलैंड ने खून के थक्के बनने को लेकर चिंताएं सामने आने के बाद एहतियात के तौर पर इस टीके पर रोक लगा दी थी।

ऐस्ट्राजेनेका का क्या है दावा?

ऐस्ट्राजेनेका कंपनी और यूरोपीय नियामकों का कहना है कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जो यह बताता हो कि खून के थक्के बनने की घटनाएं इस टीके के कारण हुई हैं। एस्ट्रोजेनेका की ओर से कहा गया कि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन में करीब 1.7 करोड़ लोगों को यह टीका लगाया गया है और इस समूह में रक्त के थक्के जमने के 37 मामले हैं। यूरोपीय संघ की दवा नियामक एजेंसी ने

एस्ट्राजेनेका के बारे में एक्सपर्ट्स के निष्कर्षों की समीक्षा के लिए गुरुवार को बैठक बुलाई है।

भारत में क्या है स्थिति?

एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड का कोविड-19 टीके का उत्पादन सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने किया है और यह भारत में चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान का हिस्सा है। इस अभियान के तहत भारत में कोविशील्ड (एस्ट्राजेनेका/ऑक्सफोर्ड) और कोवैक्सिन (भारत बायोटेक) टीका लगाया जा रहा है। कुछ यूरोपीय देशों में शिकायत के बाद अब भारत ने भी इस वैक्सीन को लगाए जाने के बाद संभावित साइड इफेक्ट्स की समीक्षा किए जाने का फैसला लिया है। हालांकि, भारत में इस तरह का कोई मामला सामने नहीं आया है।

क्या कहता है विश्व स्वास्थ्य संगठन?

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख वैज्ञानिक की सिफारिश है कि अभी भी कुछ लोगों में रक्त के थक्कों के बारे में चिंता के बावजूद एस्ट्राजेनेका वैक्सीन का उपयोग जारी रखा जा सकता है। डॉ. सौम्या स्वामीनाथन का कहना है कि संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी के अधिकारी लोगों को डराना नही चाहते हैं, यहां तक ??कि वैक्सीन के उपयोग की करीबी निगरानी भी जारी है। स्वामीनाथन ने कहा कि दुनिया भर के लोगों को विभिन्न प्रकार के कोरोनोवायरस वैक्सीन की कुछ 300 मिलियन यानी 30 करोड़ खुराक दी गई है, और कोविड वैक्सीन से जुड़ी हुई है मृत्यु के कोई दस्तावेज नहीं हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हड़ताल से सबक

बैंकों की हड़ताल पहले ही दिन चुभती हुई लगी। आखिर ऐसी नौबत क्यों आई? करीब दस लाख बैंककर्मियों की हड़ताल साफ तौर पर संकेत है कि बैंकों के निजीकरण की राह आसान नहीं है। पीएसयू बैंक संघ की हड़ताल के पहले ही दिन देश भर में बैंकिंग सेवाओं जैसे नकद निकासी, जमा, चेक और व्यापारिक लेन-देन पर असर पड़ा है। यूएफबीयू, नौ श्रमिक संघों का मिला-जुला मंच है, जिसने पिछले महीने ही 15 और 16 मार्च को हड़ताल का आह्वान कर दिया था। उन्हें मनाने की कोई ठोस कोशिश नजर नहीं आई, तो इससे निजीकरण के प्रति सरकार की दृढ़ता का पता चलता है। बैंककर्मियों को मनाने के लिए हुई तीन बैठकें बेनतीजा रही हैं। आज भी अगर बैंकों की हड़ताल जारी रही और कामकाज प्रभावित हुआ, तो सरकार को गंभीर होना पड़ेगा। आज देश जिस मोड़ पर है, वहां किसी भी तरह की हड़ताल अर्थव्यवस्था के लिए दुखदाई है। पिछले महीने पेश किए गए केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकार की विनिवेश योजना के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। उसके बाद से ही बैंककर्मियों में हलचल है। ज्यादातर बैंक कर्मचारियों को लगता है कि अगर वे आज चुप रहे, तो कल उनके बैंकों का भी निजीकरण होगा। बैंक कर्मचारियों का कहना है कि सरकार की नीतियों का अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ने वाला है। देश में अनेक जगह कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन भी किए हैं। एक बड़ा खतरा यह भी है कि मांग न माने जाने की स्थिति में बैंककर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल के बारे में भी सोच रहे हैं। यह हड़ताल या आंदोलन किसान आंदोलन की तर्ज पर चलाने की चर्चा है। बैंककर्मी अपने ग्राहकों को भी यह बताना चाहते हैं कि बैंकों के निजीकरण की कोशिश कैसे सेवाओं को प्रभावित करेगी। बैंककर्मी अपनी मांग को लेकर गंभीर नजर आ रहे हैं और यह शासन-प्रशासन के लिए चिंता की वजह बने, तो ही सार है। उनकी मांग है कि सरकार निजीकरण की घोषणा वापस ले। अब सरकार के लिए सोचने वाली बात है कि हड़ताल या आंदोलन का मोर्चा खुल रहा है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण मोर्चा है, जहां समस्याएं बढ़ीं, तो अर्थव्यवस्था के लिए बहुत मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी। यह विवाद इतना सहज नहीं है, जितना लगता है। देश में विरोध का हक सबको है, लेकिन सरकारी बैंकों की हड़ताल से किसे फायदा होगा, यह भी बैंककर्मियों के संगठनों को सोचना चाहिए। लंबी हड़ताल सरकारी बैंकों के व्यवसाय पर असर डालेगी और ग्राहकों को निजी बैंकों की ओर जाने के लिए मजबूर करेगी। बैंकों को अपनी बात रखते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि जरूरतमंद ग्राहकों को ज्यादा परेशानी न हो। ग्राहक ही किसी बैंक को मजबूत करते हैं, लेकिन ऐसी हड़ताल से ग्राहकों को ही सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इसके साथ ही, सरकार को बैंककर्मियों का विश्वास जीतना चाहिए। निजीकरण से बचना आसान नहीं है, लेकिन अगर कर्मचारियों को विश्वास दिला दिया जाए कि निजीकरण से उनके हित प्रभावित नहीं होंगे, तो वे मान जाएंगे। क्या यह संभव है? निजी क्षेत्र आखिर क्यों लोगों का विश्वास नहीं जीत पा रहा है? सरकारी नौकरी क्यों ज्यादातर लोगों की पहली पसंद है? यह एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब हमारी सरकारें ही खोज सकती हैं।

आज के ट्वीट

स्टार्टअप

देश में लगातार स्टार्टअप के जरिए लोग अपना कारोबार बढ़ा रहे है। इससे लोग आत्मनिर्भर बनने के साथ ही अन्य लोगों को रोजगार देने में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

-- विवेक बिन्द्रा

चंद सिक्कों के लिए देश को बेचने वाले कलंकित अधिकारी

- आर.के. सिन्हा

भारतीय सेना शौर्य, कर्तव्य पराणयता, राष्ट्रभक्ति का पर्याय रही है। युद्ध और आपातकालीन स्थितियों में इसने सदा देश की निःस्वार्थ भाव से सेवा की है। इसका इतिहास बलिदानों से भरा है। सारा देश इसका कृतज्ञ है। पर हाल के कुछ वर्षों में यह देखने में आ रहा है कि इसके अंदर भी कुछ आस्तीन के सांप अपने लिए जगह बनाने लगे हैं। इनके कृत्यों से इस महान सेना की छवि पर बुरा असर तो पड़ता ही है। ताजा उदाहरण लें। महाराष्ट्र के पुणे में सेना भर्ती परीक्षा का पर्चा लीक करने के आरोप में सेना के 47 वर्षीय मेजर को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में एक और मेजर की भी गिरफ्तारी हुई है। इन पर आरोप है कि ये सेना की परीक्षा के पर्चे लीक करके पैसे बटोर रहे थे। साफ है कि ये चंद सिक्कों के लिए देश के साथ घोर गद्दारी कर रहे थे। अब पुलिस इनके साथियों को भी पकड़ने जा रही है। पुलिस को यह भी पता लगाना है कि इन्हें पेपर लीक करने के बदले में कितना माल मिला। पर्चा लीक होने का मामला 28 फरवरी को सामने आया था। अबतक इस संबंध में सेना के छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सेना के किसी भी अधिकारी का शत्रु को अहम जानकारी देना या सेना में इस तरह के भ्रष्टाचार फैलाने वाले शख्स को माफ नहीं किया जा सकता। इस तरह के शख्स की सिर्फ एक ही सजा हो सकती है- सजा-ए-मौत। इससे कम का सवाल नहीं पैदा होता। सेना का आतंरिक तंत्र अपने आप में बहुत सशक्त है। इसलिए माना जा सकता है कि अगर आरोपियों पर लगे आरोप साबित हो गए तो उनकी खैर नहीं। उन्हें कठोर दंड मिलेगा ही। पर क्या इतना पर्याप्त है? कदापि नहीं। सेना को यह सुनिश्चित करना होगा कि सेना के भीतर कुछ रुपयों के लिए अपना जमीर बेचने वाले अफसर आगे अपने मंसूबों को अंजाम न दे सकें। बेशक, इन नाली के कीड़ों के कारण भारतीय सेना के उन हजारों सैनिकों की आत्माएं भी आंसू बहा रही होंगी जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। क्या पेपर लीक करने में फंसे अफसरों ने 1971 की जंग के हीरो लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की बहादुरी की कथा नहीं सुनी थी? उन्होंने पंजाब-जम्मू सेक्टर के शकरगढ़ में शत्रु के दस टैंक नष्ट किए थे। वे तब मात्र 21 साल के थे। इतनी कम आयु में अबतक किसी को परमवीर चक्र नहीं मिला है। अरुण खेत्रपाल ने उसी पुणे की नेशनल डिफेंस अकाडमी (एनडीए) से ट्रेनिंग ली थी जहाँ यह सारा घिनौना कृत्य हुआ। अरुण खेत्रपाल की स्क्वेड्रन 17 पुणे हार्स 16 दिसम्बर 1971 को शकरगढ़ में थी। वे टैंक पर सवार थे। टैंकों से दोनों पक्ष गोलाबारी कर रहे थे। वे शत्रु के टैंकों को बर्बाद करते जा रहे थे। इसी क्रम में उनके टैंक में भी आग लग गई। वे शहीद हो गए। लेकिन, उनकी टुकड़ी अपने अफसर के पराक्रम को देख इतनी प्रेरित हुई कि दुश्मन की सेना पर टूट पड़ी। युद्ध में भारत को सफलता मिली। अरुण को शकरगढ़ का टाइगर कहा जाता है। जिस भारतीय सेना में अरुण खेत्रपाल जैसे हजारों वीर रहे हों, वहां कुछ देश के अन्दर ही सेना के अंदरूनी सिस्टम में खासकर एनडीए में दुश्मनों का घुसना बेहद गंभीर मामला है। अगर बात पेपर लीक कांड से हटकर करें तो सेना के ही कुछ अफसर महत्वपूर्ण सूचनाएं शत्रुओं को देते भी पकड़े गये हैं। इसी तरह के आरोप में विगत वर्ष एक पत्रकार को भी गिरफ्तार किया गया था। यह तो सच में गंभीर ही नहीं भयानक स्थिति है। पिछले ही साल एक ग्रुप कैप्टन पर कुछ अति महत्वपूर्ण दस्तावेज पाकिस्तान को सौंपने का आरोप लगा था। ये दस्तावेज भारत के सैन्य ठिकानों से संबंधित बताए जाते हैं। बेशर्म देशद्रोही गिरफ्तार अधिकारी वायुसेना मुख्यालय में ही तैनात था। वायुसेना की काउंटर इंटेलीजेंस विंग ने उससे गंभीर पूछताछ की है। वायु सेना अधिकारी को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने दो फेसबुक अकाउंट के जरिये हनी ट्रैप के जाल में फंसाया था। अब चीन के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार वरिष्ठ पत्रकार राजीव शर्मा की भी बात हो जाए। राजीव शर्मा की 'ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट' (ओएसएस) के तहत गिरफ्तारी हुई थी । यतीश यादव ने अपनी किताब 'रॉ- अ हिस्ट्री ऑफ इंडियाज कवर्ट ऑपरेशंस' में लिखा है- यह निर्विवाद तथ्य है कि साइबर जासूसी के मामले में चीन दुनिया में सबसे ज्यादा सक्रिय देश है। वह अपने जासूसी नेटवर्क का विस्तार करने के लिए ठीक उसी तरह 'सॉफ्ट पावर' का इस्तेमाल कर रहा है, जैसे कभी अमेरिका और रूस ने किया था। वह भारत में व्यापारिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की आड़ में जासूसी गतिविधियों को लगातार बढ़ा रहा है। एक बात समझ ली जाए कि देश के साथ जयचंद बनने वालों को किसी भी सूरत में छोड़ा ना जाए। इन्हें तो तोड़ा जाए। भले ही ये कितने ही शक्तिशाली क्यों न हों। देश के गद्दारों को चुल्लू भर पानी में डूब के मर जाना चाहिए। ये उन हजारों रणभूमि के वीरों की शहादत का अपमान करते हैं, जिन्होंने दुश्मन के दांत खट्टे किए। ये अपमान करते हैं मेजर आशाराम त्यागी, फ्लाइंग आफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों, कैप्टन सौरभ कालिया, हवलदार अब्दुल हामिद, मेजर अश्वनी कान्वा जैसे हजारों योद्दाओं का। इन सबने देश के लिए प्राणों की आहुति दे दी। ये पूरे देश के लिये आदरणीय इसलिए हुए क्योंकि इनमें से किसी ने देश को बेचा नहीं। दुखद स्थिति यह है सेना के लिए जासूसी और वहां गड़बड़ करने वाले मोटी पगार भी पा रहे हैं। उनसे पूछा जाना चाहिए कि आखिर ये किस लालच में आकर भारत माता के साथ धोखा करते हैं? आखिर इनकी नौकरी इन्हें क्या नहीं देती है। ये शानदार सैलरी, घर, पेंशन और तमाम दूसरी तमाम सुविधाएं मिलने के बाद भी लालच से बाज क्यों नहीं आते? लालच में देशद्रोह की हद तक जाने वालों का देश में कोई स्थान होना उचित नहीं है. (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

ज्ञान गंगा

स्थिरता

जग्गी वासुदेव

एक स्तर पर आध्यात्मिक प्रक्रिया का मतलब होता है पर्वत की तरह स्थिर हो जाना है। जब किसी इंसान का आधार बहुत स्थिर होता है, केवल तभी वह बहुत सारी चीजें कर सकता है। जीवन में आनंद तभी बिखर सकता है, जब उसमें पूर्ण स्थिरता हो। नहीं तो बहुत ज्यादा खुशी इंसान को पागलपन की ओर ले जा सकती है। इसीलिए बहुत सारे लोग, जो थोड़े रचनात्मक, थोड़े सक्रिय और उल्लासमय होते हैं, वे आखिर में जाकर असामान्य और लगभग पागल से हो जाते हैं। दरअसल, स्थिरता के बिना आप डांस नहीं कर सकते। यही वजह है कि एक ही समय में शिव का मतलब स्थिरता और शिव का मतलब, नृत्य दोनों है। एक ऐसा विस्फोट, जो विध्वंसक न हो, केवल तभी संभव है जब स्थिरता हो। लोग अपने जीवन को काबू करके, उसमें कमी करके या काट-छांट करके उसे स्थिर करना चाहते हैं। यह आपकी दादी-नानी का तरीका है, जो आपसे हमेशा कहती होंगी, 'अपने को काबू करो, तभी तुममें स्थिरता आएगी'। बेशक, अगर आप मर जाएं तो आप स्थिर होंगे। मैं यकीन से यह बात कह सकता हूं। तो आम तौर पर जो लोग स्थिरता की बात करते हैं, उनका अस्तित्व घुटा हुआ है। एक तरह से वे कब्जियत वाला जीवन जी रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि कब्ज क्या चीज होती है, इसका मतलब है कि यह थोड़ी-थोड़ी हो रही है। इसी तरह लोगों के जीवन में खुशी, प्यार, परमानंद, यहां वहां से थोड़ा-थोड़ा मिलता है। स्थिरता यह नहीं है-कि आपने अपने जीवन को इतना सीमित कर लिया है, संकुचित कर लिया है कि आप स्थिर हो गए हैं। ऐसी स्थिरता से कुछ हासिल होने वाला नहीं। स्थिरता वह है, जहां आप सब कुछ पूरी स्पष्टता के साथ देख सकें। इसीलिए आदि योगी का जिक्र होता है, क्योंकि हम लोग स्थिरता के साथ-साथ उल्लास से भरे नृत्य की बात भी करते हैं। यह इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि उनके पास दो से ज्यादा आंखें थीं, तीन तो नहीं, लेकिन दो से ज्यादा आंखें जरूर थीं। इसका मतलब यह हुआ कि वह आम लोगों से कहीं ज्यादा देख सकते थे। अगर आप चीजों का एक ही हिस्सा देखेंगे तो आप स्थिर नहीं हो सकते। तो सारी कोशिश बेहतर देखने की है। दर्शन का मतलब देखना होता है। यह पूरी संस्कृति इसी के बारे में बात करती आई है।

धार्मिक आस्था बढ़ाने में समर्थ होगा श्रीराम विश्वविद्यालय

- योगेश सोनी

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या में भगवान राम के नाम से यूनिवर्सिटी बनाने की घोषणा की है। प्रस्तावित यूनिवर्सिटी में भगवान राम से संबंधित शास्त्रों, संस्कृति, शैली और धार्मिक तथ्यों पर अध्ययन और शोध किया जाएगा। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि 'यूनिवर्सिटी द्वारा दुनिया के समक्ष भगवान राम के जीवन और सिद्धांतों को प्रस्तुत किया जाएगा व हिंदू धर्म और संस्कृति पर अध्ययन भी शामिल होगा।' अयोध्या में संतों और साधुओं ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया है व दुनियाभर के धार्मिक गुरु भी सरकार के इस कदम की प्रशंसा कर रहे हैं। राममंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि धार्मिक शिक्षा के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रभु राम और हिंदू संस्कृति को समझाया जाएगा जिससे धार्मिक आस्था बढ़ेगी व लोगों को अपने धर्म का महत्व समझ आएगा। इस मामले को लेकर परमहंस ने राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए पत्र लिखा है। उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि राज्य में सहारनपुर, आजमगढ़ और अलीगढ़ में तीन और यूनिवर्सिटी बनाने की योजना बनाई जा रही है, जिसपर उत्तर प्रदेश सरकार ने काम शुरू कर दिया है। इसके अलावा, राज्य में एक स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, एक आयुष यूनिवर्सिटी और एक लॉ यूनिवर्सिटी का गठन किया जाएगा। प्रदेश को उच्च शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा ठोस कार्ययोजना शुरू हो चुकी है जिसके लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। सरकार के इस कदम से आनेवाली पीढ़ी की धर्म की ओर रुचि बढ़ेगी। युवाओं व आनेवाली पीढ़ियों को पता होना चाहिए कि किस तरह तपस्या व त्याग के साथ अपना जीवन यापन कर श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। अक्सर देखा जाता है कि आज के दौर में लोगों के पास समय का इतना अभाव रहता है कि वह अपने धर्म के विषय में नहीं जान पाते, इसका मुख्य कारण यह माना जाने लगा कि अब लोग परिवार के साथ कम रह पाते हैं। इन चीजों का ज्ञान अधिकतर घर के बुजुर्ग लोग ही देते हैं। लेकिन तरक्की की दौड़ में परिवार या तो अलग-अलग रहने लगा या फिर सीमित होकर रह गया। दौड़ती-भागती दुनिया में इंसान सबकुछ कमा रहा है लेकिन संस्कार, संस्कृति व रिश्ते छोड़ता जा रहा है। आजकल की पीढ़ी को कसूरवार कहना भी गलत होगा चूंकि गलती हम स्वयं कर रहे हैं। एक समय ऐसा था कि जब लोग शिक्षा से ज्यादा धार्मिक ज्ञान की ओर ध्यान देते थे। गुरुकुल व स्कूल में धार्मिक शिक्षा को सबसे ज्यादा अधिक महत्व दिया जाता था लेकिन हम कब धीरे-धीरे पश्चिमी सभ्यता की ओर बढ़ गए, हमें पता ही नहीं चला। अब लोगों को महसूस होने लगा कि यह जीवन अधूरा है। हर युग व कालखंड में मर्यादा व संस्कार से ही दुनिया चली है और वर्तमान व भविष्य में भी उसकी जरूरत है। आज वो समय आ चुका है कि प्रभु श्रीराम के आचरण व तपस्या को समझाया जाए। श्रीलंका व म्यांमार जैसे देशों में राम एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है लेकिन हमारे देश में कुछ लोग भगवान के नाम पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आते। हमारे देश में इस बात का सबसे बड़ा व सजीव उदाहरण पश्चिम बंगाल की राजनीति में देखा जा रहा है। ममता बनर्जी जय श्रीराम के नारे से इतना नाराज हो जाती हैं कि इसे अपनी चिढ़ मान बैठी। अगले कुछ दिनों में पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं जिसकी वजह से यह मुद्दा गर्माया हुआ है। बहरहाल, राममंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को अपने धर्म व संस्कृति को समझाने के लिए यह विश्वविद्यालय बहुत कारगर सिद्ध होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्लैंड फार्मा ने स्पुतनिक वी कोविड-19 टीके की 25.2 करोड़ खुराक की आपूर्ति के लिये समौता किया

नयी दिल्ली, दवा कंपनी ग्लैंड फार्मा ने मंगलवार को कहा कि उसने स्पुतनिक वी कोविड-19 टीके की 25.2 करोड़ खुराक की आपूर्ति के लिये रूस की रसियन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट फंड (आरडीआईएफ) के साथ समझौता किया है। ग्लैंड फार्मा ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी स्पुतनिक वी कोविड-19 टीके के उत्पादन के लिये अपनी विनिर्माण क्षमता का उपयोग करेगी। सूचना के अनुसार समझौते के तहत कंपनी अपने औषधि पदार्थों और हैदराबाद में औषधि उत्पादन संयत्रों का उपयोग करेगी। उत्पादन 2021 की तीसरी तिमाही से शुरू होने की उम्मीद है। आपूर्ति 2021 की चौथी तिमाही से होगी। कंपनी के अनुसार, ''समझौते की शर्तों के तहत ग्लैंड फार्मा सबसे पहले अपनी विनिर्माण सुविधाओं के लिए संबंधित औषधीय योगिक की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कराएगी।'' उसने कहा कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बाद कंपनी इन औषधीय योगिकों और उत्पादों का विनिमाण शुरू करेगी।

अगले 5 वर्षों में भारत और बांग्लादेश के बीच होगा आर्थिक समझौता : ईआईयू

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश की ओर से अगले पांच वर्षों में आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है, जो बांग्लादेश के व्यापार अधिकारों को संरक्षित करेगा। इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) के अनुसार, अगले पांच वर्षों में, हम उम्मीद करते हैं कि दोनों देश एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर करेंगे, जो 2026 में संयुक्त राष्ट्र के सबसे कम विकसित देश के दर्जे से ग्रेजुएट होने के बाद बांग्लादेश के लिए व्यापार विशेषाधिकार सुरक्षित रखेगा। द इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट ने अगले पांच वर्षों में भारत-बांग्लादेश संबंधों के केंद्र बिंदु के बारे में बताया है। यह खबर ऐसी समय आई है, जब 26 मार्च को बांग्लादेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा निर्धारित है। पिछले 15 महीनों में यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। ईआईयू ने कहा, हालांकि, किसी भी बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद नहीं है, हम मोदी की यात्रा को दोनों पड़ोसियों के बीच हाल ही में कुछ तनावपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद जोशपूर्ण संबंधों की निरंतरता के एक महत्वपूर्ण शो के रूप में देखते हैं। ईआईयू ने कहा कि सीईपीए एक पारंपरिक द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते की तुलना में व्यापक होगा, जिसमें गैर-व्यापार बाधाओं, ई-कॉमर्स, सेवाओं के निवेश और सीमा पर व्यापार की सुविधा को संबोधित किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीस्ता नदी जल बंटवारे के मुद्दे का समाधान, जो भारतीय राज्य पश्चिम बंगाल में राज्य प्रशासन के विरोध का सामना कर रहा है और इस राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव (27 मार्च से लेकर 29 अप्रैल) पर निर्भर करेगा। इसके साथ ही ईआईयू ने पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी बात की। ईआईयू ने उम्मीद जताई है कि राज्य में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच चुनावी मुकाबला करीबी रहेगा।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला! इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की फंडिंग के लिए बनेगा नया बैंक

बिजनेस डेस्क:

केंद्र सरकार ने देश में डेवलपमेंट फाइनेंस इंस्टीट्यूशन (DFI) के गठन को मंजूरी दी है। मंगलवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस कांफ्रेंस में इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डेवलपमेंट फाइनेंस बैंक इनवेस्टमेंट बैंक के रूप में काम करेगा। इसके जरिए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को फंड दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि बजट 2021 के दौरान हमने कहा था कि हम इंफ्रास्ट्रक्चर और डेवलपमेंटल एक्टिविटीज के लिए नेशनल बैंक बनाएंगे। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने डेवलपमेंट फाइनेंस इंस्टीट्यूशन को स्थापित करने के लिए मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री ने कहा कि पहले भी अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स पाने के लिए कोशिशें की गईं लेकिन विभिन्न कारणों के चलते कोई ऐसा बैंक नहीं बन सका, जो डेवलपमेंट की फंडिंग कर सके और लॉन्ग टर्म रिस्क ले सके।

बजट 2021 से मिलेगी शुरुआती धनराशि

वित्त मंत्री ने कहा कि DFI लॉन्ग टर्म फंड्स को जुटाने में मदद करेगा। बजट 2021 इसे शुरुआती धनराशि मुहैया कराएगा। इस साल DFI में लगभग 20000 करोड़ रुपए की पूंजी डाली जाएगी, शुरुआती ग्रांट 5000 करोड़ रुपए की होगी और ग्रांट के अतिरिक्त इंक्रीमेंट 5000 करोड़ रुपए की लिमिट में किए जाएंगे। आगे कहा कि सरकार DFI के लिए कुछ सिक्योरिटीज जारी करने की भी योजना बना रही है। इससे फंड्स की लागत कम रहेगी। इन सभी चीजों से DFI को शुरुआती पूंजी का लाभ उठाने और विभिन्न स्त्रोतों से फंड जुटाने में मदद मिलेगी। साथ ही भारत के बॉन्ड मार्केट पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट टीम्स, 365 की सेवाएं बाधित

सहयोगी ऐप टीम्स और एज्यूर क्लाउड सहित माइक्रोसॉफ्ट 365 की सेवाएं प्रभावित हुई हैं और कंपनी ने इस पर मंगलवार को कहा है कि प्रभावित क्षेत्रों में इसकी सेवाएं वापस लाने पर काम जारी है। कंपनी ने कहा है कि ऑथेन्टिकेशन सिस्टम में हाल ही में हुए बदलाव के चलते यह समस्या उत्पन्न हुई है। माइक्रोसॉफ्ट ने ट्वीट कर बताया, समस्या के प्रभाव को कम करने के लिए हम अपडेट को रोल आउट कर रहे हैं। इसमें हमें लगभग 15 मिनट का वक्त लगेगा। हालांकि जब समस्या आगे भी बनी रही तो कंपनी ने आगे ट्वीट कर कहा, इस बदलाव को शुरू करने की प्रक्रिया में उम्मीद से ज्यादा वक्त लग रहा है। जैसे ही इसे शुरू कर लिया जाएगा, हम इसके बारे में सूचित कर देंगे।

मॉडर्ना ने अगली पीढ़ी की बूस्टर कोविड वैक्सीन का परीक्षण शुरू किया

न्यूयॉर्क ।

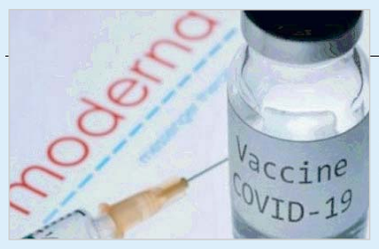

बायोटेक्नोलॉजी कंपनी मॉडर्ना ने घोषणा की कि शुरूआती प्रतिभागियों को एमआरएनए-1283 के चरण 1 के अध्ययन के दौरान कंपनी की अगली पीढ़ी (नेक्सट जनरेशन) की कोविड-19 वैक्सीन दी गई है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह खुराक लेने वाले अध्ययन के साथ पहला चरण एमआरएनए-1283 की सुरक्षा और प्रतिरक्षा क्षमता का आकलन करेगा। मॉर्डना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन बंसेल ने अपने बयान में कहा है कि वह अपनी अगली पीढ़ी के कोविड-19 वैक्सीन कैंडिडेट एमआरएनए-1283 के इस पहले चरण का अध्ययन शुरू करके प्रसन्न हैं। बंसेल ने कहा कि हमारे एमआरएनए प्लेटफॉर्म में हमारे निवेश ने हमें इस अगली पीढ़ी के वैक्सीन उम्मीदवार को विकसित करने में सक्षम बनाया है, जो एक संभावित रेफ्रिजरेटर-स्टैबल वैक्सीन है, जो विकासशील देशों के लिए संभावित रूप से एक विस्तृत सीरीज के साथ ही आसान वितरण और प्रशासन की सुविधा प्रदान कर सकता है। यह चरण 1 अध्ययन स्वस्थ वयस्कों को 2-खुराक सीरीज के रूप में दिए गए एमआरएनए-1283 वैक्सीन उम्मीदवार के तीन खुराक स्तर, 10 यूजी, 30 यूजी और 100 यूजी का मूल्यांकन करेगा। एमआरएनए-1283 को लेकर भविष्य के अध्ययनों में पूर्व टीकाकरण या सीरोपॉजिटिव के लिए बूस्टर खुराक के रूप में उपयोग करने के लिए और सीरोनेगेटिव व्यक्तियों के लिए एक प्राथमिक सीरीज के रूप में मूल्यांकन किए जाने की भी संभावना है।

सेंसेक्स, निफ्टी में तीसरे दिन गिरावट, वित्तीय शेयरों में नरमी

मुंबई,

स्थानीय बाजारों में प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को शुरुआती बढ़त गंवाते हुए हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। इस दौरान खासकर वित्तीय कंपनियों के शेयरों में नरमी देखने को मिली। कारोबारियों ने कहा कि रुपये की कमजोरी और विदेशी निवेशकों द्वारा बिकवाली के चलते भी बाजार पर दबाव बढ़ा। बीएसई सेंसेक्स 31.12 अंक या 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 50,363.96 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 19.05 अंक या 0.13 प्रतिशत फिसलकर 14,910.45 पर आ गया। इस तरह बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट हुई। सेंसेक्स में सबसे अधिक 1.56 प्रतिशत की गिरावट एलएंडटी में हुई। इसके अलावा आईसीआईसी बैंक, एसबीआई, कोटक बैंक, एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और बजाज फिनसर्व भी गिरने वाले शेयरों में शामिल रहे। दूसरी ओर एशियन पेंट्स, डॉ रेड्डीज, एचसीएल टेक, एचयूएल और भारती एयरटेल मुनाफे में थे। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख बिनोद मोदी ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों ने शुरुआत में बढ़त हासिल की थी पर वैश्विक शेयर बाजारों से सकारात्मक संकेत के बाजवूद कारोबार के अंत में बाजार गिर कर बंद हुए। उन्होंने बताया कि वित्तीय शेयरों के चलते एक बार फिर बाजार पर दबाव बना। अच्छी आमदनी बनी रहने की उम्मीद के चलते आईटी शेयर ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के चलते भी बाजार की चिंता बढ़ी है। इसके अलावा अस्थिर बांड बाजार और मुद्रास्फीति को लेकर भी निवेशक सतर्क हैं। इस दौरान बीएसएसी बैंकेक्स, फाइनैंस, धातु, रियल्टी और पूंजीगत वस्तुओं में 1.03 प्रतिशत तक की गिरावट हुई, जबकि आईटी, टेक, दूरसंचार और एफएमसीजी बढ़त के साथ बंद हुए। व्यापक आधार वाले बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.40 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। एशिया में शंघाई, हांगकांग, टोक्यो और सियोल के बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। इस बीच वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.61 फीसदी की गिरावट के साथ 67.77 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था।

वित्त मंत्री सीतारमण का बयान, कहा- सभी बैंकों का नहीं होगा निजीकरण

बिजनेस डेस्क:

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण को लेकर सरकार बैंक कर्मचारियों और विपक्ष की लगातार आलोचना झेल रही है। इस निजीकरण के विरोध में सरकारी बैंकों के कर्मचारियों की आज दो दिवसीय हड़ताल का आखिरी दिन है। इस बीच केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सभी बैंकों का निजीकरण तो होगा नहीं, जिनका होगा भी, हम ये सुनिश्चित करेंगे कि लोगों की नौकरी और बाकी हितों का ख्याल रखा जाए। मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक के बाद वित्तमंत्री ने ये बात कही।

वित्त मंत्री सीतामरण ने जवाब दिया कि देश में कुछ बैंक अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ ठीक-ठाक काम कर रहे हैं लेकिन कुछ बैंक ऐसे भी हैं, जो संकटग्रस्त हैं और ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने बताया कि हमें ऐसे बैंकों की जरूरत है जो उच्च स्तर के हों। बैंकों का मर्जर भी इसलिए किया जा रहा है ताकि बड़े बैंक निकलें और ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर सकें।

सभी सरकारी बैंकों का नहीं हो रहा निजीकरण

वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र में भी पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज की मौजूदगी है और रहेगी। सभी सरकारी बैंकों का निजीकरण नहीं हो रहा है। केवल उन बैंकों की पहचान की गई है जो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं और पूंजी नहीं जुटा पा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि जिन बैंकों के प्राइवेटाइज होने की संभावना है, उनके साथ हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वे काम करते रहें और कर्मचारी और ग्राहकों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाए। हम उन्हें इसलिए प्राइवेटाइज कर रहे हैं ताकि वे मजबूत हो सकें और ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर सकें। उन्हें इक्विटी हासिल हो सके।

कर्मचारियों के हितों का रखा जाएगा पूरा ध्यान

सीतारमण ने कहा कि हर बैंक बिक रहा है और प्राइवेट बन जाएगा, यह मान लेना सही नहीं है। सालों से इन बैंकों में काम कर रहे कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उनकी सैलरी, स्केल, पेंशन सभी चीजों का ध्यान रखा जाएगा। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि सेक्टर चाहे कोई भी हो, विनिवेश वाली हर यूनिट के साथ इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि वे इकोनॉमी में सहयोग कर सकें। संकटग्रस्त यूनिट्स मजबूत होकर काम जारी रख सकें, उनमें पैसा आ सके। वे मजबूत हो सकें, इसलिए उनमें प्राइवेट सेक्टर का निवेश खोला जा रहा है। गौरतलब है कि सरकारी बैंकों को प्राइवेट क्षेत्र को सौंपने के सरकार के कदम के खिलाफ पब्लिक सेक्टर के बैंक दो दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर हैं। पब्लिक सेक्टर के नौ बैंकों की यूनियन, यूनाइडेट फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स ने इस हड़ताल का ऐलान किया है। इस बार बजट में वित्त मंत्री ने ऐलान किया था कि इस साल सरकार दो सरकारी बैंकों और एक इंश्योरेंस कंपनी का निजीकरण करेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने डेवलपमेंट फाइनेंस इंस्टीट्यूशन (डीएफआई) की स्थापना को मंजूरी दे दी है, ये एहसास होने पर कि डीएफआई की स्थापना के लिए विकास और फाइनेंशियल उद्देश्य दोनों मायने रखेंगे। उन्होंने कहा कि डीएफआई लंबी अवधि के फंड जुटाने में मदद करेगा और बजट 2021 प्रारंभिक राशि प्रदान करेगा। इस साल कैपिटल इन्फ्यूजन 20 हजार करोड़ रुपए होगा। प्रारंभिक अनुदान पांच हजार करोड़ रुपए, अतिरिक्त वेतन वृद्धि पांच हजार करोड़ रुपए की सीमा के भीतर की जाएगी।

यस बैंक के को-फाउंडर राणा कपूर की दिल्ली की प्रॉपर्टी इंडियाबुल्स ने 114 करोड़ रुपए में नीलाम की

नई दिल्ली:

यस बैंक के को-फाउंडर राणा कपूर की दिल्ली की प्रॉपर्टी इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस ने 240 करोड़ रुपए में नीलाम कर दिया है। कंपनी ने ब्लिस विला (Bliss Villa) के लिए लोन दिया था जिसके गारंटर राणा कपूर थे। कंपनी को लोन वापस ना मिलने के कारण इस प्रॉपर्टी को नीलाम कर दिया गया। यह प्रॉपर्टी दिल्ली के कौटिल्या मार्क पर है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इस मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने बताया कि कंपनी ने इसे दिल्ली के रियल एस्टेट डेवलपर्स को 114 करोड़ रुपए में बेच दिया है। सूत्रों के अनुसार, इंडियाबुल्स ने इस साल जनवरी में इस प्रॉपर्टी पर अधिकार कर लिया था। कंपनी 83.43 करोड़ रुपए, 69.88 करोड़ रुपए और 86.56 करोड़ रुपए के तीन लोन पर डिफॉल्ट कर चुकी है। इसके बाद इंडिया बुल्स ने इसे 114.32 करोड़ रुपए में बेच दिया। यह प्रॉपर्टी 1235 स्कवायर यार्ड में बना हुआ है। इसमें ग्राउंड फ्लोर के अलावा दो फ्लोर हैं। मनीलॉन्ड्रिंग मामले में जांच कर रहे एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ED) ने राणा कपूर की 792 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी जब्त कर ली है। इसमें साउथ मुंबई के कई अपार्टमेंट और इंडिपेंडेंट रेजिडेंशियल बिल्डिंग हैं। हालांकि इस मामले में इंडियाबुल्स हाउसिंग ने अखबार को कोई जवाब नहीं दिया है। राणा कपूर की बेटी राधा ने भी इस मामले में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया है। राणा कपूर को पिछले साल मार्च में ED ने गिरफ्तार किया था और फिलहाल वह नवी मुंबई के तलोजा जेल में हैं। ED मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राणा कपूर, उनकी पत्नी और तीन बेटियों की जांच कर रही है। ED के मुताबिक, कपूर जब यस बैंक चला रहे थे तब उन्होंने गलत तरीके से लोन बांटकर 4300 करोड़ रुपए के बेनेफिट्स हासिल किए थे।

निजीकरण के सवाल पर बोले पीयूष गोयल- राष्ट्रीय संपत्ति हैं सड़कें, क्या उन पर सिर्फ सरकारी गाड़ियां ही चलती हैं?

नई दिल्ली:

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि रेलवे भारत की संपत्ति है और उसका कभी निजीकरण नहीं होगा। उन्होंने साथ ही कहा कि यात्रियों को अच्छी सुविधाएं मिलें, रेलवे के जरिये अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले...ऐसे कार्यों के लिये निजी क्षेत्र का निवेश देशहित में होगा। लोकसभा में वर्ष 2021-22 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए पीयूष गोयल ने कहा, ''दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि कई सांसद निजीकरण और कॉर्पोरेटाइजेशन का आरोप लगाते हैं।

भारतीय रेल का कभी निजीकरण नहीं होगा। उन्होंने कहा, '' मैं विश्वास दिलाता हूं कि रेलवे भारत की संपत्ति है उसका कभी निजीकरण नहीं होगा। गौरतलब है कि सोमवार को चर्चा के दौरान कांग्रेस के जसबीर सिंह गिल, आईयूएमएल के ई टी मोहम्मद बशीर सहित कुछ अन्य सदस्यों ने रेलवे का निजीकरण करने का प्रयास किये जाने संबंधी टिप्पणी की थीं। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों को मंजूरी दे दी। रेल मंत्री ने कहा कि सड़कें भी सरकार ने बनाई है तो क्या कोई कहता है कि इस पर केवल सरकारी गाड़ियां चलेंगी। उन्होंने कहा कि सड़कों पर सभी तरह के वाहन चलते हैं तभी प्रगति होती है और तभी सभी को सुविधाएं मिलेंगी। गोयल ने कहा कि तो क्या रेलवे में ऐसा नहीं होना चाहिए? क्या यात्रियों को अच्छी सुविधाएं नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मालवाहक ट्रेनें चलें और इसके लिए अगर निजी क्षेत्र निवेश करता है तो क्या इस पर विचार नहीं होना चाहिए। मंत्री ने कहा कि पिछले सात वर्षों में रेलवे में लिफ्ट, एस्केलेटर एवं सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अभूतपूर्व काम किये गए। उन्होंने कहा, ''यदि हमें अत्याधुनिक विश्वस्तरीय रेलवे बनाना है तो बहुत धन की आवश्यकता होगी। रेल मंत्री ने कहा, '' अगर निजी निवेश भी आए तो देश हित में, यात्रियों के हित में है। निजी क्षेत्र जो सेवाएं देगा, वे भारतीय नागरिकों को मिलेंगी। रोजगार मिलेंगे।

देश की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी। उन्होंने कहा, '' सरकार और निजी क्षेत्र जब मिलकर काम करेंगे, तभी देश का उज्वल भविष्य बनाने में सफल होंगे।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स बने एलन मस्क, टॉप 10 की सूची से बाहर हुए मुकेश अंबानी

बिजनेस डेस्क:

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर दुनिया के टॉप 10 अमीरों की सूची से बाहर हो गए हैं। **Bloomberg Billionaires Inde&** के मुताबिक वह 82.1 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें स्थान पर आ गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.43 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। अमेरिका के लैरी एलिसन अब फिर से 10वें स्थान पर आ गए हैं। मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर शख्स हैं। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क 182 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ फिर पहले स्थान पर आ गए हैं। रिलायंस का शेयर 16 सितंबर 2020 को 2369 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। तब रिलायंस का मार्केट कैप 16 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया था। इसके साथ ही अंबानी की नेटवर्थ 90 अरब डॉलर पहुंच गई थी और वह दुनिया के अमीरों की सूची में चौथे स्थान पर आ गए थे लेकिन इसके बाद रिलायंस के शेयरों में गिरावट आई। इस लिस्ट में जगह पाने वाले भारतीयों में अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 26वें स्थान पर हैं। उनकी नेटवर्थ 50.4 अरब डॉलर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 16.6 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।

बिल गेट्स तीसरे नंबर पर

Bloomberg Billionaires Inde& के मुताबिक अमेजॉन के जेफ बेजोस 181 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स (139 अरब डॉलर) तीसरे नंबर पर हैं। फ्रांसीसी बिजनसमैन और दुनिया की सबसे बड़ी लग्जरी गुड्स कंपनी **LVMH Moët Hennessy** के चेयरमैन ऑफ चीफ एग्जीक्यूटिव बर्नार्ड आरनॉल्ट (124 अरब डॉलर) इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं। अमेरिकन मीडिया के दिग्गज और फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग 104 अरब डॉलर की वेल्थ के साथ पांचवें स्थान पर हैं। जाने माने निवेशक वारेन बफे 97.3 अरब डॉलर की नेटवर्थ से साथ छठे, अमेरिकी कम्प्यूटर साइंटिस्ट और इंटरनेट उद्यमी लैरी पेज 94.8 अरब डॉलर के साथ सातवें, गूगल के को-फाउंडर सर्गेई बिन 91.8 अरब डॉलर के साथ आठवें, अमेरिकी बिजनसमैन और निवेशक स्टीव बाल्मर 84.9 अरब डॉलर नौवें और लैरी एलिसन 82.8 अरब डॉलर दसवें स्थान पर हैं।

सीतारमण ने संप्रग पर भ्रष्टाचार के राष्ट्रीयकरण का आरोप लगाया

नयी दिल्ली,

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी की कुछ टिप्पणियों का करारा जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस की अगुवाई वाली संप्रग सरकार ने अपने समय में भ्रष्टाचार का राष्ट्रीयकरण और 'एक परिवार' के लाभ के लिए करदाताओं के धन का निजीकरण किया था। इससे पहले राहुल गांधी ने दिन में ट्वीट कर आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार मुनाफे का निजीकरण और घाटे का राष्ट्रीयकरण कर रही है। उन्होंने सरकार पर यह आरोप भी लगाया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को ''मोदी के क्रोनीज'' (कथित रूप से मोदी सरकार के चहेते उद्योगतियों) को बेचकर सरकार भारत की वित्तीय सुरक्षा के साथ समझौता कर रही है। सीतारमण ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन आरोपों के संबंध में किए गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि शायद गांधी ने अपनी यह टिप्पणी किसी ''कट्टर कम्युनिस्ट'' से '' ली है।'' उन्होंने कहा, ''मैं चाहती हूं कि वह इस तरह के दो वाक्यों को हर बार उछालने के बजाय गंभीर चर्चाओं में शामिल हों।'' वित्त मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि संप्रग सरकार ने भ्रष्टाचार का राष्ट्रीयकरण किया था। वित्त मंत्री ने कहा, ''उनकी दादी (इंदिरा गांधी) ने भले ही बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया होगा, लेकिन बैंकों के नुकसान का राष्ट्रीयकरण यूपीए के समय में हुआ... मैं एक बात और जोड़ना चाहूंगी- भ्रष्टाचार का राष्ट्रीयकरण इन्होंने किया।''

उन्होंने कहा, ''भ्रष्टाचार का राष्ट्रीयकरण और एक परिवार की भलाई के लिए करदाताओं के पैसे का निजीकरण, यह सब राहुल गांधी को उस ट्वीट के जवाब के रूप में लेना होगा।'' वरिष्ठ भाजपा नेता ने गांधी को सलाह दी कि उन्हें बोलने से पहले और गहन चिंतन करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बैडमिंटन : ऑल इंग्लैंड ओपन में सिंधु सहित 16 भारतीयों पर रहेंगी निगाहें

लंदन. मौजूदा विश्व चैंपियन पी.वी. सिंधु बुधवार से यहां शुरू होने जा रही ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी। सिंधु सहित 16 खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत के खिताबी सूखे को समाप्त करने उतरेंगे। सिंधु इस महीने की शुरुआत में स्विस ओपन फाइनल में पुहंची थी, जहां उन्हें स्पेन की कैरालिना मारिन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। मारिन ने चोट के कारण इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। मारिन और चीन तथा चीनी ताइपे की खिलाड़ियों के हटने से सिंधु को खिताब का दावेदार माना जा रहा है। हालांकि सिंधु को खिताब तक पहुंचने के लिए जापान की नोजोमी ओकुहारा और अकाने यामागुची की चुनौती से निपटना पड़ेगा। पहले दौर में सिंधु का सामना मलेशिया की सोनिया चीह से होगा, जबकि क्वार्टर फाइनल में वह यामागुची से भिड़ सकती है। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सायना नेहवाल यहां अपने पहले राउंड के मुकाबले में सातवीं सीड स्विट्जरलैंड की मिया ब्लिडफेल्ट से होगा। पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत अपने पहले दौर में इंडोनेशिया के टॉमी सुगिआर्तो से, विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता बी. साईं प्रणीत अपने पहले दौर में फ्रांस के तोमा जूनियर पोपोव से और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पारूपल्ली कश्यप अपने पहले दौर के मुकाबले में जापान के केंतो मोमोता से भिड़ेंगे।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड क्रिकेट सीरीज में बिना मास्क नहीं मिलेगा स्टेडियम में प्रवेश

रायपुर ।

छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य सरकार ने नवा रायपुर में हो रही रोड सेफ्टी वर्ल्ड क्रिकेट सीरीज में बिना मास्क लगाए दर्शकों को प्रवेश नहीं देने का फैसला किया है। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए निर्णय लिया गया है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड क्रिकेट सीरीज में दर्शक अब बिना मास्क के स्टेडियम में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि मैच के दौरान यदि कोई दर्शक बिना मास्क के पाया जाता है तब उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले सोमवार को राज्य के मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया था कि राज्य सरकार कोरोना संक्रमण के नाम पर होली जैसे पर्व पर पाबंदियां लगा रही है लेकिन नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे क्रिकेट मैच में कोरोना दिशा निर्देश का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने कहा है कि मैच के उत्साह में हजारों लोग न तो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं और न ही मास्क लगा रहे हैं। सिंहदेव ने आरोप लगाया था कि कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम के मामले में राज्य सरकार और उसकी मशीनरी क्रिकेट मैच के नाम पर भयावह स्थिति को अनदेखा कर लापरवाही बरत रही है। नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में इस महीने की पांच तारीख से रोड सेफ्टी वर्ल्ड क्रिकेट सीरीज की शुरुआत की गई है। क्रिकेट स्टेडियम में पिछले कुछ मैच के दौरान कई दर्शकों ने कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर जारी दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया। क्रिकेट सीरीज का फाइनल मैच 21 मार्च को होगा। वहीं 17 और 19 तारीख को सेमीफाइनल खेला जाएगा। छत्तीसगढ़ में पिछले लगभग एक सप्ताह के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। राज्य में सोमवार तक 3,17,974 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। राज्य में 3,09,979 मरीज इलाज के बाद संक्रमण मुक्त हुए हैं तथा 4098 मरीज उपचाराधीन हैं। यहां वायरस से संक्रमित 3897 लोगों की मौत हुई है। राज्य के रायपुर जिले में सबसे अधिक 57,344 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि की गई है।

चैम्पियन चैस टूर मेगनस इनविटेशनल शतरंज - अनीश गिरि की बढ़त बरकरार

टोन्सबेर्ग ,नॉर्वे (निकलेश जैन)

मेल्टवाटर चैम्पियन चैस टूर के पांचवे पड़ाव मेगनस इन्विटेशनल के दूसरे दिन के बाद भी नीदरलैंड के अनीश गिरि नें अपनी एकल बढ़त कायम रखी है और उन्होने एक बार फिर लगातार दूसरे दिन 5 राउंड मे से 3 जीत और 2 ड्रॉ से 4 अंक बनाते हुए 10 मे से कुल 8 अंको के साथ पहला स्थान कायम रखा है और उनका प्ले ऑफ मे पहुँचना लगभग तय हो चुका है । दूसरे दिन की शुरुआत उन्होने स्पेन के अंटोन डेविड और यूएस के लेवोन अरोनियन को हराकर की इसके बाद उन्होने स्वीडन के निल्स ग्रंडेलीयूस और रूस के डेनियल डुबोव से बाजी ड्रॉ खेली और दिन के आखिरी मैच मे अजरबैजान के ममेद्यारोव को उन्होने मात दी । हालांकि दूसरे दिन विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें दम लगाया और ममेद्यारोव और रूस के सेरगी कार्याकिन और इयान नेपोंनियची को मात देते हुए जबकि स्वीडन के निल्स ग्रंडेलीयूस और अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव से उन्होने बाजी ड्रॉ खेली और 7.5 अंक बनाते हुए दूसरे स्थान पर बरकरार है और एक दो बड़े परिणाम उन्हे शीर्ष पर पहुंचा सकते है । अब आखिरी दिन के पाँच राउंड के बाद शीर्ष 8 खिलाड़ी प्ले ऑफ मे जगह बना लेंगे । राउंड 10 के बाद अन्य खिलाड़ियों मे अमेरिका के हिकारु नाकामुरा और वेसली सो 6.5 अंक , फीडे के अलीरेजा फिरौजा और फ्रांस के मकसीम लागरेव 6 अंक , यूएस के अरोनियन और रूस के डेनियल डुबोव और सेरगी कार्याकिन 5 अंक बनाकर प्ले ऑफ की दौड़ मे सबसे आगे चल रहे है ।

ओलंपिक मशाल रिले में आयोजक बरतेंगे पूरी सावधानी

तोक्यो । तोक्यो ओलंपिक के आयोजकों ने अगले सप्ताह शुरू होने वाली ओलंपिक मशाल रिले को लेकर अत्यधिक सावधानी बरतने की योजना बनायी है जिससे कि लगभग चार महीने बाद होने वाले इन खेलों पर कोई खतरा ना आए। कोरोना वायरस महामारी के कारण ओलंपिक का आयोजन एक साल की देरी से 23 जुलाई से होगा। आयोजकों ने 25 मार्च से शुरू होने वाली मशाल रिले से जुड़ी जानकारियों को साझा करते हुए कहा कि इसका एक मकसद लोगों के उत्साह को बढ़ाना है। इसकी शुरूआत जापान के पूर्वोत्तर क्षेत्र फुकुशिमा प्रांत से होगी और अगले चार महीने में लगभग 10,000 धावक पूरे जापान में इसे लेकर जाएंगे। आयोजन समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोशिरो मुतो ने कहा कि ओलंपिक मशाल रिले का उद्देश्य उत्साह बढ़ाना है। हमें उमंग को बढ़ाने के साथ कोविड-19 संक्रमण को रोकने के लिए चीजों को संतुलित करने की आवश्यकता है। यह रिले जापान से सभी 47 प्रांतों से होकर गुजरेगी जिससे कोविड-19 के फैलने का खतरा है। सड़क किनारे खड़े होकर रिले देखने के लिए आने वाले प्रशंसकों को सामाजिक दूरी बरतने, मास्क पहनने और शांत रह कर हौसलाअफजाई करने की सलाह दी गई है।

धनलक्ष्मी ने दुती चंद को पछाड़कर जीता स्वर्ण पदक, हिमा डिस्क्वालीफाई हुई

पटियाला ।

एस धनलक्ष्मी ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक दुती चंद को पछाड़कर मंगलवार को यहां फेडरेशन कप सीनियर राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप की महिला 100 मीटर फर्राटा दौड़ का खिताब जीता जबकि हिमा दास गलत शुरुआत करने के कारण डिस्क्वालीफाई हो गईं। तमिलनाडु की 22 साल की धनलक्ष्मी एनआईएस परिसर में 11.39 सेकेंड के समय के साथ ओडिशा की दुती (11.58 सेकेंड) को पछाड़कर चैंपियनशिप की सबसे तेज महिला धावक बनीं। तमिलनाडु की ही अर्चना सुसींद्रन ने 11.76 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले अपने पसंदीदा 400 मीटर की जगह 100 और 200 मीटर में चुनौती पेश कर रही हिमा गलत शुरुआत के कारण डिस्क्वालीफाई हो गईं। बहुप्रतीक्षित महिला 100 मीटर का फाइनल हालांकि उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। हिमा जहां डिस्क्वालीफाई हो गईं तो वहीं दुती और धनलक्ष्मी 11.15 सेकेंड के ओलंपिक क्वालीफाइंग स्तर के करीब भी नहीं पहुंच सकीं। धनलक्ष्मी ने सोमवार को 11.38 सेकेंड के समय के साथ फाइनल में जगह बनाई थी। वह फाइनल में अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकीं। दुती भी सोमवार के 11.51 सेकेंड के प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकी। पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने 10.32 सेकेंड के समय के साथ पुरुष 100 मीटर दौड़ का खिताब जीता। तमिलनाडु के एलाकियादासन कन्नड़ा (10.43 सेकेंड) दूसरे जबकि महाराष्ट्र के सतीश कृष्णकुमार (10.56 सेकेंड) तीसरे स्थान पर रहे। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ओडिशा के अमिया कुमार मलिक ने 10.75 सेकेंड के समय के साथ सातवां स्थान हासिल किया। पुरुष वर्ग में ओलंपिक क्वालीफिकेशन स्तर 10.05 सेकेंड है। कर्नाटक का प्रतिनिधित्व कर रहीं अनुभवी एमआर पूवम्मा ने 53.57 सेकेंड के समय के साथ महिला 400 मीटर वर्ग का खिताब जीता।

संक्षिप्त समाचार

संदीप ने नरसिंह और अमित को पछाड़ कर हासिल किया एशियाई ओलंपिक का टिकट

नई दिल्ली । राष्ट्रीय चैम्पियन संदीप सिंह मान ने 74 किग्रा भार वर्ग कुश्ती के ट्रायल में वापसी कर रहे नरसिंह पंचम यादव और अमित धनखड़ को पछाड़ कर अगले महीने कजाखस्तान में होने वाले एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन का मंगलवार को टिकट हासिल किया। दो बार के ओलंपिक चैम्पियन सुशील कुमार ने तैयारी नहीं होने का हवाला देते हुए इस ट्रायल में हिस्सा नहीं लिया। इसके बाद भी 74 किग्रा में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। संदीप ने धनखड़ को फाइनल में 2-1 से हराकर नौ से 11 अप्रैल तक होने वाले क्वालीफायर्स के लिए जगह पक्की की। उन्होंने इससे पहले सेमीफाइनल में नरसिंह यादव को 4-3 से शिकस्त दी थी। धनकड ने सेमीफाइनल में जितेन्द्र को पछाड़ा। दोनों का स्कोर 3-3 था लेकिन आखिरी अंक हासिल करने के आधार पर धनखड़ विजेता बने। सत्यव्रत कादियान और सुमित मलिक ने क्रमशः 97 किग्रा और 125 किग्रा का ट्रायल जीता। दोनों ने हाल ही में रोम में हुई रैंकिंग सीरीज में खराब प्रदर्शन किया था। बजरंग पुनिया (65 किग्रा), रवि दहिया (57 किग्रा) और दीपक पूनिया (86 किग्रा) ने नूर सुल्तान में आयोजित 2019 विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने के बाद तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई किया था। ग्रीको रोमन में ज्ञानेंद्र (60 किग्रा), आशु (67 किग्रा), गुरप्रीत सिंह (77 किग्रा), सुनील कुमार (87 किग्रा), रवि (97 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) ने ट्रायल में अपने-अपने वर्ग में जीत हासिल की।

प्रीमियर लीग - लिवरपूल ने वांडर्स को 1-0 से हराया

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) की मौजूदा चैम्पियन लिवरपूल ने डियोगो जोटा के एकमात्र विजयी गोल की मदद से वांडर्स को 1-0 से हरा दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल सितंबर में लिवरपूल से जुड़ने वाले पुर्तगाल के फॉरवर्ड जोटा ने मैच के 45वें मिनट में ही गोल करके मौजूदा चैम्पियन को 1-0 की लीड दिला दी। जोटा का लिवरपूल की टीम के लिए यह पहला मैच था। लिवरपूल की टीम ने इस बढ़त को दूसरे हाफ में और फिर अंतिम समय तक कायम रखते हुए जीत अपने नाम कर ली। इस जीत के बाद लिवरपूल की टीम अंकतालिका में छठे नंबर पर पहुंच गई है और वह वेस्ट हैम से दो अंक और चेल्सी से पांच अंक पीछे है।

द. अफ्रीका के खिलाफ स्पिनरों ने उम्मीद के मुताबिक गेंदबाजी नहीं की : पूनम यादव

लखनऊ।

भारत की सीनियर गेंदबाज पूनम यादव ने मंगलवार को स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में भारत की हार में घरेलू टीम के स्पिनरों के लचर प्रदर्शन की अहम भूमिका रही और वे अब भी यह प्रयास कर रहे हैं कि अनुकूल पिच नहीं होने पर कैसे प्रदर्शन में सुधार किया जाए। अपने मजबूत स्पिन गेंदबाजी आक्रमण के लिए पहचानी जाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिन गेंदबाजों ने मौजूदा श्रृंखला में निराश किया है जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम पांच मैचों की श्रृंखला में चार मैचों के बाद ही 3-1 की विजयी बढ़त बना चुकी है। चार मैचों में पांच विकेट चटकाने वाली राजेश्वरी गायकवाड़ के अलावा अन्य स्पिन गेंदबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं। पूनम ने बुधवार को होने वाले पांचवें एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच से पूर्व कहा, 'हमने दक्षिण अफ्रीका को दक्षिण अफ्रीका में हराया था और जब वे यहां आए थे तब भी हमने उन्हें हराया था। लेकिन अब हमारा स्पिन आक्रमण सफल नहीं रहा। उन्होंने कहा, 'इसलिए हमने बात की कि अभ्यास सत्र में हम क्या कर सकते हैं। हमने चर्चा की कि अगर विकेट से मदद नहीं मिलती है तो हमें क्या करना है? जब विकेट से मदद नहीं मिलती है तो हम क्या बदलाव कर सकते हैं, हम इस पर ध्यान लगा रहे हैं। पूनम ने हालांकि उम्मीद जताई कि शनिवार से शुरू हो रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'टी20 में हम बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। शायद एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में हम अपनी योजनाओं को लागू नहीं कर पाए। लेकिन हम इस पर काम कर रहे हैं और आगामी मैचों में इसमें सुधार करेंगे। लेग स्पिनर पूनम श्रृंखला के चार मैचों में अब तक एक भी विकेट नहीं चटका पाई हैं। पूनम ने कहा, 'सीनियर खिलाड़ी होने के नाते टीम में मेरी जो भूमिका है, मैं इन मैचों में उस पर खरी नहीं उतर पाई लेकिन आगामी मैचों में मैं प्रयास करूंगी और टीम की जरूरत के अनुसार प्रदर्शन करूंगी। क्योंकि टी20 में आपको विकेट चटकाने के अलावा बल्लेबाजों को रन बनाने से भी रोकना होता है।

ICC महिला वनडे रैंकिंग में पूनम राउत ने लगाई छलांग, स्मृति मंधाना और मिताली राज टॉप 10 में

दुबई ।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की पूनम राउत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम महिला एकदिवसीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 20 में पहुंच गई हैं। श्रृंखला के पिछले तीन मैचों में नाबाद 62, 77 और नाबाद 104 रन की पारियां खेलने वाली राउत आठ स्थानों के सुधार के साथ 18वें पायदान पर पहुंच गई हैं। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना सातवें स्थान के साथ रैंकिंग में शीर्ष भारतीय हैं जबकि कप्तान मिताली राज नौवें स्थान पर हैं। उपकप्तान हरमनप्रीत कौर बल्लेबाजों की सूची में दो स्थानों के सुधार के साथ 15वें जबकि गेंदबाजों की सूची में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 49वें पायदान पर आ गई है। श्रृंखला के तीन मैचों में पांच विकेट लेने वाली बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ चार स्थानों के सुधार के साथ गेंदबाजों की सूची में 18वें स्थान पर आ गई है। तेज गेंदबाज मानसी जोशी 69वें से 64वें स्थान पर आ गयी है। भारत के खिलाफ श्रृंखला में शानदार लय में चल रही दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लिजेली ली सात स्थानों के सुधार के साथ रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गई है। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट को रैंकिंग में शीर्ष स्थान से हटाने वाली ली ने इस दौरान (पिछले सप्ताह) तीन मैचों में चार, नाबाद 132 और 69 रन की शानदार पारियां खेली। वह महिला एकदिवसीय रैंकिंग की बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंचने वाली पहली दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी है। दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका गेंदबाजों की सूची में एक स्थान के सुधार के साथ नौवें पायदान पर पहुंच गई है।

श्रीशंकर ने अपना निजी रिकॉर्ड तोड़ा, हासिल किया ओलंपिक कोटा

पटियाला।

भारत के लंबी कूद धावक मुरली श्रीशंकर ने मंगलवार को फेडरेशन कप में अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल कर लिया। केरल के एथलीट श्रीशंकर ने भुवनेश्वर में 27 सितंबर 2018 को 8.20 मीटर सेट कर रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन उन्होंने आज पांचवें बार में 8.26 मीटर सेट कर अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया।

इंग्लैंड की महिला खिलाड़ी ने रचा इतिहास, पुरूष क्रिकेटर्स को देंगी ट्रेनिंग

स्पोर्ट्स डेस्क ।

क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब एक महिला खिलाड़ी पुरूषों को कोचिंग देते हुए नजर आएगी। जी हां, इंग्लैंड के काउंटी क्रिकेट क्लब ससेक्स ने यह ऐलान करते हुए कहा कि पूर्व खिलाड़ी सारा टेलर आगामी सीजन के लिए कोचिंग स्टाफ के रूप में शामिल होंगी। इसके साथ ही ससेक्स क्रिकेट क्लब ने अपने बयान में कहा कि हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे कोचिंग स्टाफ के रूप में सारा टेलर और एशले राइट काम करेंगे। यह दोनों पूरे समय के लिए यानि पूर्णकालिक तौर पर टीम को कोचिंग देंगे। इंग्लैंड की पूर्व महिला विकेटकीपर बल्लेबाज सारा टेलर ससेक्स टीम के विकेटकीपर्स पर काम करेंगी और उन्हें विकेट कीपिंग के गुण सिखाएंगी। उन्हें पूरी तरह से टीम का जिम्मा सौंपा गया ताकि खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार हो। उन्होंने स्वास्थ्य ठीक ना होने के कारण 13 साल लंबे क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब क्रिकेट में वह दूसरे रूप में आ रही है। उनके कोचिंग स्टाफ में आने से भविष्य में महिलाओं की पुरुषों की क्रिकेट में हिस्सेदारी बढ़ जाएगी। सारा ने क्लब के साथ जुड़ने पर कहा कि मैं क्लब के विकेटकीपरों के साथ काम करने के लिए खुश हूं। हमारे क्लब ससेक्स के पास अच्छे विकेटकीपरों का अच्छा ग्रुप है जिनके साथ काम करने के लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि पुरुष क्रिकेट में अब महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ रही है क्योंकि अब अंपयार और कोचिंग स्टाफ में भी महिलाएं आ रही हैं। क्रिकेट के सपोर्ट स्टाफ के तौर पर महिलाएं काम कर चुकी हैं लेकिन पहली बार कोई महिला खिलाड़ी पुरुषों को क्रिकेट की कोचिंग देगी जो इससे पहले कभी नहीं हुआ। सारा यह करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन जाएंगी।

सारा टेलर ने इंग्लैंड के लिए 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलें हैं जिसमें उन्होंने 10 टेस्ट, 126 वनडे और 90 टी20 मैच में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। इस दौरान उन्होंने 6 हजार से अधिक रन बनाएं हैं। इस दौरान उन्होंने 7 शतक भी लगाए हैं। सारा ने अपने करियर की शुरूआत साल 2006 में की थी और 2019 में उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

राष्ट्रपति कोविंद के शब्द मुझे भारत लेकर आए : भारतीय फुटबाल कोच स्टीमाक

नई दिल्ली। भारतीय फुटबाल टीम के मुख्य इगोर स्टीमाक ने कहा है कि वह बेहद भाग्यशाली हैं कि उन्हें एक नया भारत देखने को मिला है। न्यू इंडिया और एंड इटस आफरिंग टू द वर्ल्ड नामक एक वेबिनार में बोलते हुए, स्टीमाक ने कहा कि राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के शब्दों ने उन्हें भारत आने पर मजबूर कर दिया। वेबिनार में क्रोएशिया में भारत के राजदूत राज कुमार श्रीवास्तव भी मौजूद थे। क्रोएशिया के स्टीमाक ने कहा, दो साल पहले भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने जब क्रोएशिया का यात्रा किया था तब उन्होंने कहा था कि नए समाधानों की तलाश में युवा प्रगति और नवाचार के वाहक हैं। मैं आपको नए भारत को जानने के लिए आमंत्रित करता हूं। मेरे जीवन आदर्श वाक्य के अनुसार, जो आप करते हैं उसके लिए अधिकतम प्रयास और प्यार के साथ सब कुछ संभव है। उन्होंने कहा, भारत के राष्ट्रपति के शब्द मुझे भारत ले आए। सिर्फ मैं ही नहीं बल्कि कई अन्य क्रोएशियाई फुटबॉल विशेषज्ञ भी। मैं पिछले दो वर्षों से भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का कोच हूं और मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे नए भारत देखने को मिला। स्टीमाक ने भविष्य को लेकर कहा कि भारत और क्रोएशिया के बीच सहयोग से फुटबॉल को फायदा होगा। भारतीय टीम के कोच ने कहा, आज, दो फुटबॉल संघों के बीच सहयोग समझौते के लिए धन्यवाद। यह निश्चित है कि क्रोएशिया से अधिक से अधिक खिलाड़ी और कोच भारतीय फुटबॉल सपने की प्राप्ति में भाग लेंगे। स्टीमाक मई 2019 में भारतीय टीम के कोच बने थे और उनके मार्गदर्शन में भारत ने कतर में एशियाई चैम्पियन कतर को गोलरहित ड्रॉ पर रोका था।

वॉयस ओवर क्षेत्र में भी बना सकते हैं कॅरियर

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है ? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है ? यदि हाँ, तो आप नि :सन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है ?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्राय : किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं ?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हों, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हों या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है ? वे वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट कैसे बनें ?

सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं :

इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई   फिलमिट अकादमी, मुंबई   वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है।

अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।

किस प्रकार आपके कॅरियर में मददगार होंगे यह 5 पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा ?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है। आइए जानते हैं कैसे.

1 कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें ?

क्या आप दसवीं में हैं ? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं ? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा ? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुत : यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

2 जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

3 इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवीं तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते हैं, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपॉर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एक एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य

में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

4 भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

5 रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कैरियर चूज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यु से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है। उपयुक्त व्यक्तियों से गाइडेंस लेने में हिचकिचाएं नहीं। अगर आपके मन में किसी प्रश्न को लेकर दुविधा है तो लोगों से पूछना और उसका सलूशन पाने में किसी प्रकार की बुराई नहीं है। अगर कोई गलती हो जाती है तो उस गलती को साफ मन से स्वीकार करें और आगे के लिए सुधार करें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ईरान ने तीसरे स्वदेशी कोविड-19 टीके का शुरू किया परीक्षण

तेहरान। तीसरे स्वदेशी कोविड-19 टीके के क्लीनिक परीक्षण के चरण में पहुंचने की आधिकारिक घोषणा के साथ ही ईरान अपने लोगों को टीका लगाने के अभियान में और अपने आपको उभरते टीका विनिर्माता के रूप पेश करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ा है। हालांकि इस टीके का उत्पादन ब्यौरा पूरी तरह सामने नहीं आया है। आठ करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले ईरान ने अब तक रूस, चीन, भारत और क्यूबा से विदेशी टीके मंगवाये एवं 12 लाख लोगों को टीके लगवाये। ऐसे में टीकाकरण की पिछड़ती गति को लेकर उत्पन्न चिंता ने स्थानीय रूप से टीके विकसित करने के ईरान के अभियान को गति दी है। वैसे भी समृद्ध देश दुनिया में टीकों का बहुत बड़ा हिस्सा हथिया ले रहे हैं। दुनिया के अन्य देशों की भांति ईरान में भी वैज्ञानिक साल भर में टीका विकसित करने की प्रक्रिया को कुछ महीनों में पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं। हालांकि ईरान पश्चिम एशिया में इस वायरस से बहुत परेशान है और बाहर निकलने के लिए संघर्षरत है। दूसरा उस पर कठोर अमेरिकी प्रतिबंध भी हैं। ईरान के टीका उत्पादन के बारे में विवरण बहुत कम सामने आया है। दो ईरानी टीके क्लीनिकल परीक्षण के चरणों में हैं।बारेकाट नामक टीके का 300 लोगों पर परीक्षण किया गया है।

ब्राजील में भी तेजी से फैल रहा कोरोना वायरस, चौथी बार बदला गया स्वास्थ्य मंत्री

साओ पाउलो। ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने कोरोना वायरस महामारी फैलने के बाद से चौथी बार अपने स्वास्थ्य मंत्री को बदलते हुए मार्सेलो क्रेरोगा को इस पद पर नियुक्त किया है। क्रेरोगा एडवर्डो पैजुएलो की जगह लेंगे। सैन्य जनरल पैजुएलो को स्वास्थ्य के क्षेत्र का कोई अनुभव नहीं होने के बावजूद पिछले साल मई में स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त किया गया था।
इससे पहले पैजुएलो ने सोमवार के संवाददाता सम्मेलन में इस बात के संकेत दिये थे कि बोल्सोनारो उनकी जगह किसी और को स्वास्थ्य मंत्री बना सकते हैं। पैजुएलो के पूर्ववर्ती दो स्वास्थ्य मंत्रियों ने बोल्सोनारो से मतभेदों के चलते अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। क्रेरोगा फिलहाल देश की कार्डियोलॉजी सोसाइटी के प्रमुख हैं।

एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को लेकर हो रहा बवाल, जानिए दुनिया क्यों लगा रही इस टीके पर रोक

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा है कि यूरोपीय देशों समेत विभिन्न देशों द्वारा एस्ट्राजेनेका के टीके के इस्तेमाल पर रोक लगाए जाने के बावजूद दुनियाभर में उसका कोरोना वायरस टीकाकरण कार्यक्रम निर्बाध रूप से चल रहा है। एस्ट्राजेनेका का टीका लगवाने के बाद कुछ लोगों के शरीर में रक्त के थक्के जमने की जानकारी मिलने के चलते इन देशों ने टीके के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि उसे अपने कोवैक्सीन कार्यक्रम के लिये एस्ट्राजेनेका से जो टीके मिल रहे हैं, उन्हें भारत और दक्षिण कोरिया में बनाया जा रहा है और यूरोप में बन रहे टीकों के ऑर्डर पर रोक लगाई गई है। इन टीकों को अधिकतर छोटी और मध्यम अर्थव्यवस्था वाले देशों को भेजा जा रहा है। संगठन की सहायक महानिदेशक मारियांगेला सिमाओ ने कहा, हमें पता है कि ऐहतियाती तौर पर यह कदम उठाए गए हैं। मैं गैर यूरोपीय देशों को बताना चाहती हूं कि अभी तक यूरोप में बन रहे टीकों के साथ दिक्कतें सामने आई हैं और कोवैक्सीन कार्यक्रम के तहत प्रदान किये जा रहे टीकों के साथ कोई समस्या नहीं है। गौरतलब है कि जर्मनी, फ्रांस, इटली और स्पेन समेत अधिकतर यूरोपीय देशों ने हाल ही में एस्ट्राजेनेका टीके के इस्तेमाल पर रोक लगाई है। इन देशों में टीके लगवाने के बाद शरीर में रक्त के थक्के जमने के मामले सामने आए हैं।

पाकिस्तान के कराची में बम विस्फोट, एक की मौत; वीडियो हुई वायरल

कराची। पाकिस्तान के कराची में सोमवार को हुए एक विस्फोट में पाकिस्तानी अर्धसैनिक बल के एक जवान की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। कराची के भीड़भाड़ वाले ओरंगी कस्बे में यह हमला एक खड़ी मोटरसाइकिल पर बम लगाकर किया गया। रेंजर्स के एक वाहन के इलाके से गुजरने के दौरान यह विस्फोट हुआ। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हमले की जिम्मेदारी ली जिसमें दो रेंजरों सहित 10 अन्य घायल भी हुए हैं।

चीन ने की 'क्वाड' की आलोचना, कहा- कोई छोटे गुट नहीं बनाने चाहिए

बीजिंग। चीन ने सोमवार को चार देशों के संगठन 'क्वाड' की आलोचना करते हुए कहा कि कोई ''छोटे गुट'' नहीं बनाए जाने चाहिए। चीन की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब क्वाड में शामिल अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच गत शुक्रवार को पहली वर्चुअल शिखर बैठक हुई। बीजिंग ने कहा कि कुछ देश चीन को खतरा बताकर क्षेत्रीय देशों के बीच माहौल खराब कर रहे हैं लेकिन वे सफल नहीं होंगे।

ट्रंप के साथ गर्मजोशी दिखाने वाला नॉर्थ कोरिया बाइडेन प्रशासन को लेकर क्यों है सख्त?

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

साल 2019 की बात है जून का महीना था और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उत्तर कोरिया की ऐतिहासिक यात्रा पर पहुंचे थे। किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह पहली उत्तर कोरियाई यात्रा थी। दोनों मीडिया के कैमरों के सामने मुस्कुराते हुए एक-दूसरे के साथ गर्मजोशी से हाथ मिलाया और फोटो सेशन के लिए पोज भी दिए। लेकिन अमेरिका में नए निजाम के आने के बाद से अभी तक उसकी तरफ से अभी तक एक भी सार्वजनिक बयान उत्तर कोरिया को लेकर सामने नहीं आए हैं। जिसको लेकर ये कहा जा रहा कि बाइडेन प्रशासन की ओर से उत्तर कोरिया को लेकर बेहद ही सावधानी बरती जा रही है। लेकिन उत्तर कोरिया को अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच की नजदीकियां खटकने लगी है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास की आलोचना करते हुए तानाशाह किम जोंग उन की बहन ने बाइडेन सरकार को कड़ी चेतावनी दे डाली है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को उत्तर कोरिया की तरफ से चेतावनी मिली है। नार्थ कोरिया के प्रमुख किम जोंग उन की बहन किम जो योंग ने अमेरिका को चेताया है कि वो ऐसा कोई भी काम न करे जिससे उसकी नींद उड़ जाए। किम यो अपने भाई की प्रमुख सलाहकार हैं। किम यो ने अमेरिका को आगाह किया है कि अगले चार साल तक रात में आराम से सोना है तो वह उकसावे की कोई कार्रवाई न करे।

कौन हैं किम यो जोंग

किम यो जोंग तानाशाह किम जोंग उन की छोटी बहन हैं। किम यो जोंग अपने बड़े भाई के सबसे करीबी सहयोगी के रूप में जानी जाती हैं। जोंग को हाल ही में निर्णय लेने वाले प्रमुख निकाय में दोबारा नियुक्त किया गया था। किम यो सत्तारूढ़ परिवार की पहली सदस्य हैं जिन्होंने सियोल की यात्रा की। डॉनल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति से किम जोंग की मुलाकात के समय भी वह अपने भाई के साथ थीं।

बाइडेन से किम जोंग ने बनाई दूरी

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन से संपर्क साधने की कोशिश अमेरिका की तरफ से कई बार की गई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार संयुक्त राष्ट्र के प्योंगयांग मिशन को लेकर भी किम जोंग उन किसी अमेरिकी अधिकारी से बात करने को तैयार नहीं है। प्योंगयांग मिशन के तहत हुए खुलासे के अनुसार उत्तर कोरिया न्यूक्लियर हथियार और बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की कोशिश में जुटा है और इसे लेकर अमेरिका से बात करने को तैयार नहीं है।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया सैन्य अभ्यास से बौखलाई किम जोंग की बहन, जो बाइडेन को दे डाली धमकी

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन पर पहली बार निशाना साधते हुए अमेरिका को आगाह किया कि अगर वे अगले चार साल तक ''आराम से सोना'' चाहते हैं तो कोई भी अप्रिय स्थिति पैदा ना करें। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन उत्तर कोरिया और अन्य क्षेत्रीय मुद्दों पर जापान और दक्षिण कोरिया से बात करने के लिए एशिया गए हैं, जिसके बाद उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने मंगलवार को यह बयान जारी किया। दोनों मंत्री तोक्यो में मंगलवार को वार्ता करेंगे और अगले दिन सियोल में अधिकारियों से मिलेंगे। उत्तर कोरिया के अंतर-कोरियाई मामले संभालने वाली किम यो जोंग ने कहा कि वह इस मौके का इस्तेमाल अमेरिका के नए प्रशासन को सलाह देने के लिए भी करना चाहेंगी, जो उन्हें उकसाने के लिए काफी उतारू है। किम यो जोंग ने कहा, ''अगर वह अगले चार साल तक आराम से सोना चाहते हैं, तो उनके लिए अच्छा होगा कि पहला ही कदम ऐसा ना उठाएं, जिससे कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो।''

बाइडेन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम उजागर ना करने की शर्त पर शनिवार को बताया था कि अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले कुछ महीनों में कई माध्यमों के जरिए उत्तर कोरिया से सम्पर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। वहीं, किम यो जोंग ने यह भी कहा कि उत्तर कोरिया को अगर दक्षिण कोरिया के साथ सहयोग नहीं करना है, तो वह सैन्य तनाव को कम करने के लिए हुए 2018 के द्विपक्षीय समझौते से बाहर आने पर विचार करेगा और अंतर-कोरियाई संबंधों को संभालने के लिए गठित एक दशक पुरानी सत्तारूढ़ पार्टी इकाई को भी भंग कर देगा। प्योंगयांग के आधिकारिक समाचार पत्र 'रोदोंग सिनमन' में प्रकाशित बयान के अनुसार, उन्होंने कहा, '' हम दक्षिण कोरिया के व्यवहार और उसके रुख पर नजर रखेंगे। अगर उसका व्यवहार और उकसाने वाला हुआ, तो हम असाधारण कदम उठाएंगे।''

गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच वार्षिक सैन्य अभ्यास पिछले सप्ताह शुरू हुआ था, जो बृहस्पतिवार तक चलेगा। किम यो जोंग ने कहा कि एक छोटा अभ्यास भी उत्तर कोरिया के प्रति द्वेषभाव है। इससे पहले भी कई बार, उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को आक्रमण की तैयारी बता चुका है और इसका जवाब मिसाइल परीक्षण करके दे चुका है। उन्होंने कहा , '' युद्ध अभ्यास और द्वेषभाव के साथ कभी भी वार्ता तथा सहयोग से काम नहीं हो सकता।

अमेरिकी वित्त मंत्री जैनेट येलेन ने निर्मला सीतारमण से फोन पर की बात, कोरोना समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका की वित्त मंत्री जैनेट येलेन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से फोन पर बातचीत कर कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ाई में अहम साझेदार के तौर पर भारत की भूमिका की सराहना की और वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर चर्चा की। इस साल जनवरी में अमेरिका की पहली महिला वित्त मंत्री के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद येलेन ने सीतारमण से पहली बार फोन पर बात की है।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा, ''फोन पर बातचीत के दौरान उन्होंने कोविड-19 महामारी से दुनिया के मजबूती से उबरने में सहयोग देने, असमानता का मुकाबला करने और साहसिक जलवायु एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए निकटता से मिलकर काम करने की मंशा जताई।'' उसने बताया कि येलेन ने कोविड-19 से मुकाबले में अहम साझेदार के तौर पर भारत की भूमिका की सराहना की। मंत्रालय ने कहा, '' मंत्री (येलेन) साझा प्राथमिकताओं के लिए काम करने की खातिर सीतारमण के साथ द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय सहयोग करने को इच्छुक हैं।''

भारत के वित्त मंत्रालय ने भी कई ट्वीट किया, '' वित्त मंत्री सीतारमण की अमेरिकी की वित्त मंत्री येलेन के साथ वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर रचनात्मक चर्चा हुई। येलेन ने टीका विकसित करने के वैश्विक प्रयासों में भारत के योगदान की सराहना की।'' मंत्रालय ने बताया कि सीतारमण ने येलेन को ''सोच-विचार कर तैयार किए गए 1,900 अरब डॉलर के कोविड-19 राहत पैकेज'' के लिए बधाई दी और सीतारमण तथा येलेन के बीच जी20 सहित विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर आर्थिक एवं रणनीतिक सहयोग के जरिए मिलकर काम करने पर सहमति बनी।

पीएम मोदी की यात्रा के दौरान भारत और बांग्लादेश में हो सकते हैं तीन समझौते

ढाका। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बांग्लादेश की आजादी की स्वर्ण जयंती और संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की जन्मशती के मौके पर होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने अगले सप्ताह ढाका जा रहे हैं। इस दौरान दोनों देशों के बीच तीन समझौतों पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। कोरोना संकट के बीच मोदी की यह पहली विदेश यात्रा है। वह 26 मार्च को ढाका पहुंचेंगे और अगले ही दिन स्वदेश लौट आएंगे। बता दें कि पीएम मोदी सहित नेपाल, श्रीलंका, भूटान और मालदीव के राष्ट्राध्यक्ष इस दौरान आयोजित होने वाले अलग-अलग समारोह में शिरकत करेंगे।

विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन ने बुधवार से शुरू होने जा रहे दस दिवसीय समारोह के बारे में पत्रकारों को बताते हुए कहा, 'बांग्लादेश के लिए यह ऐतिहासिक कार्यक्रम है, क्योंकि दस दिन की समयावधि में इससे पहले कभी पांच देशों के प्रमुख यहां नहीं आए हैं।'

ढाका के आसपास तीन स्थानों पर भी जाएंगे पीएम मोदी

मोमेन ने कहा, 'मौजूदा समय बहुत अनुकूल नहीं है, इसके बावजूद पड़ोसी देशों के राष्ट्राध्यक्ष और वहां के सरकारी प्रतिनिधि हमारे राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां आ रहे हैं।' अपनी ढाका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ना केवल बांग्लादेश की अपनी समकक्ष शेख हसीना से वार्ता करेंगे बल्कि वह ढाका के आसपास तीन स्थानों पर भी जाएंगे।

आपदा प्रबंधन और सहयोग के क्षेत्र में हो सकते हैं समझौते

बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच तीन समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। हालांकि इन समझौतों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। बांग्लादेश के विदेश सचिव मसूद बिन मोमेन ने कहा कि दोनों देशों में आपदा प्रबंधन और सहयोग के क्षेत्र में समझौते हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी समझौतों पर काम कर रहे हैं और अगले एक-दो दिन में इन्हें अंतिम रूप दे दिया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सभी देशों के प्रमुख बांग्लादेश की आजादी में अपने प्राण न्योछावर करने वालों को श्रद्धांजलि देने सावर स्थित राष्ट्रीय स्मारक जाएंगे। साथ ही वह बंगबंधु संग्रहालय जाएंगे, सैन्य परेड का हिस्सा बनेंगे और भोज में शामिल होंगे। मोमेन ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और विभिन्न देशों के कुछ उच्चस्तरीय नेता इस मौके पर अपना वीडियो संदेश भेजेंगे।

मतुआ समुदाय के मंदिरों में जाएंगे मोदी

पीएम मोदी अपनी बांग्लादेश की यात्रा के दूसरे दिन सतखिरा और गोपालगंज के ओरकंडी स्थित हिंदू मंदिरों का दौरा करेंगे। इसके अलावा, वह बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की तुंगियापारा स्थित समाधि पर भी जाएंगे। ये दोनों मंदिर विशेष रूप से हिंदू मतुआ समुदाय के पूजा स्थल हैं। पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में मतुआ समुदाय के लोग रहते हैं।

युद्धग्रस्त सीरिया पर अब महामारी की मार, भारत ने यूएनएससी में की यह अपील

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि वैश्विक महामारी कोविड-19 की वजह से मानवीय संकट गहरा हो गया है जिसे देखते हुए सीरियाई लोगों की मदद के लिए, देश पर लगाए गए प्रतिबंधों में ढील दी जानी चाहिए। भारत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सीरियाई लोगों की मदद के लिए तत्काल काम करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने सोमवार को सीरिया पर हुई सुरक्षा परिषद की बैठक में यह बयान दिया। तिरुमूर्ति ने कहा, '' सीरिया में 10 वर्ष लंबे संघर्ष ने सीरियाई लोगों को ऐसी पीड़ा दी है, जिसे बयां नहीं किया जा सकता। कोविड-19 वैश्विक महामारी ने स्थिति और बदतर कर दी है और स्वास्थ्य के बेहाल बुनियादी ढांचे को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बिना किसी भेदभाव, राजनीति और शर्त के, सभी सीरियाई लोगों के लिए मानवीय सहायता बढ़ाने की तत्काल जरूरत है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक महामारी के कारण मानवीय संकट गहरा गया है। साथ ही उन्होंने सीरिया पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, '' अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सीरियाई लोगों की मदद करने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन के इस्तेमाल पर जर्मनी, फ्रांस समेत इन देशों ने लगाई रोक

बर्लिन। एस्ट्राजेनेका का कोविड-19 रोधी टीका लगवाने के बाद खून के थक्के जमने के गंभीर मामले सामने आने के बाद जर्मनी, फ्रांस, इटली और स्पेन ने सोमवार को इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दी। हालांकि कंपनी तथा यूरोपीय नियामकों का कहना है कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जो यह बताता हो कि ऐसी घटनाएं इस टीके के कारण हुई हैं। यूरोपीय संघ की औषधि नियामक एजेंसी ने एस्ट्राजेनेका के बारे में विशेषज्ञों के निष्कर्षों की समीक्षा के लिए बृहस्पतिवार को बैठक बुलाई है।

एस्ट्रोजेनेका की ओर से कहा गया कि यूरोपीय संघ और ब्रिटेन में करीब 1.7 करोड़ लोगों को यह टीका लगाया गया है और इस समूह में रक्त के थक्के जमने के 37 मामले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूरोपीय संघ की यूरोपियन मेडिसिन्स एजेंसी ने भी कहा कि ये आंकड़े यह नहीं बताते कि खून के थक्के जमने और टीका लगने के बीच कोई संबंध है। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि फ्रांस में एस्ट्राजेनेका कोरोना वायरस टीके का इस्तेमाल एहतियात के तौर पर निलंबित किया जा रहा है। जर्मनी ने भी एस्ट्राजेनेका कोविड टीके के संभावित दुष्प्रभावों के बारे में आई खबरों के बाद इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दी। सरकार ने कहा है कि टीका लगाने वालों के शरीर में रक्त के थक्के जमने की खबरों के मद्देनजर यह कदम उठाया गया। ब्रिटिश स्वीडिश दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका और ब्रिटेन के दवा नियामक ने कहा है कि कोविड-19 से सुरक्षा के लिए एस्ट्राजेनेका के साथ मिलकर ऑक्सफोर्ड द्वारा विकसित टीका सुरक्षित है और इस बात का कोई सबूत नहीं है कि इन टीकों के कारण रक्त का थक्काकरण हुआ है जैसा कुछ यूरोपीय देशों से खबर आई है। यह बयान तब आया है जब रक्त थक्काकरण की खबरों के बाद नीदरलैंड ऑक्सफोर्ड/एस्ट्रोजेनेका का इस्तेमाल निलंबित करने वाला एक और देश बन गया। इससे पहले आयरलैंड, बुल्गारिया, डेनमार्क, नार्वे और आइसलैंड ने रक्त थक्काकरण को लेकर चिंताएं सामने आने के बाद एहतियात के तौर पर इस टीके पर रोक लगा दी थी।

समलैंगिक शादी को आशीर्वाद नहीं दे सकता चर्च, वेटिकन सिटी ने कहा, यह पाप है

मुंबई। (एजेंसी)।

कैथोलिक ईसाई संप्रदाय को मानने वाले समलैंगिक समुदाय के लोगों को वेटिकन सिटी की ओर से करारा झटका लगा है। वेटिकन का कहना है कि समलैंगिक दंपतियों को पोप आशीर्वाद नहीं दे सकते क्योंकि यह अवैध हैं। भले ही तमाम पश्चिमी देशों में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता मिल गई है, लेकिन वेटिकन का यह आदेश उनके लिए चिंता का सबब है। इससे सामाजिक मान्यता के तौर पर भी उन्हें दिक्कत आ सकती है। कैथोलिक ईसाइयों की सबसे बड़ी संस्थान वेटिकन का कहना है कि भगवान पाप को आशीर्वाद नहीं दे सकते हैं।

ईसाई धर्म के लिए नियमों का निर्धारण करने वाले द वेटिकंस आर्थोडॉक्सी ऑफिस ने उस प्रश्न के सिलसिले में यह जवाब दिया है, जिसमें पूछा गया था

कि क्या कैथोलिक पादरी समलैंगिक विवाहों को आशीर्वाद दे सकते हैं। दो पेज के इस उत्तर को पोप फ्रांसिस का भी समर्थन प्राप्त है। इस जवाब को सात भाषाओं में प्रकाशित किया गया है। वेटिकन के मुताबिक समलैंगिकता का न केवल सम्मान किया जाना चाहिए बल्कि ऐसे लोगों के साथ वैसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए, जैसा आम लोगों के साथ किया जाएगा। हालांकि जहां तक बात समलैंगिक विवाह की है तो यह एक तरह की अव्यवस्था है।

वेटिकन ने कहा कि कैथोलिक रीति-रिवाजों के मुताबिक पुरुष और महिला के बीच विवाह भगवान की योजना का हिस्सा है और इसका उद्देश्य नए जीवन का निर्माण करना है। चूंकि समलैंगिक विवाह इस योजना का हिस्सा नहीं है, इसलिए चर्च ऐसे दंपतियों को आशीर्वाद नहीं दे सकते हैं। पोप फ्रांसिस कई बार समलैंगिकों के अधिकारों का समर्थन कर चुके हैं और यह कहा है कि यह उनका कानूनी है। हालांकि वह समलैंगिक विवाह के खिलाफ रहे है। यही नहीं 2013 में उन्होंने गे कपल्स से मुलाकात भी की थी। दरअसल चर्च की हमेशा से यह राय रही है कि गे होना कोई अपराध नहीं है, लेकिन वह समलैंगिक संबंधों के खिलाफ रहा है।

यूएन ने कहा, प्रदर्शनकारियों की हत्या बंद करे म्यांमार सेना, अब तक 149 की मौत, 37 पत्रकार भी हुए गिरफ्तार

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने म्यांमार की सेना से प्रदर्शनकारियों की हत्या बंद करने की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार दफ्तर ने मंगलवार को कहा कि म्यांमार में गत एक फरवरी को हुए तख्तापलट के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों में अब तक 149 लोगों की मौत हुई हैं। इस देश के सैन्य बल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ गोलियां बरसा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की प्रवक्ता रवीना शामदासानी ने जेनेवा में पत्रकारों से कहा, 'हम म्यांमार सेना से मांग करते हैं कि प्रदर्शनकारियों की हत्या और उनको हिरासत में लेना बंद कर दे।'

सेना के दमन को खत्म करने की दिशा में मिलकर काम करे अंतरराष्ट्रीय समुदाय : उन्होंने बताया कि म्यांमार में 37 पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 19 अब भी हिरासत में हैं। जबकि हिरासत में पांच लोगों के मरने की खबर है। इधर, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरस ने कहा कि वह म्यांमार में बढ़ती हिंसा से आहत हैं। उन्होंने आग्रह किया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस देश में सेना के दमन को खत्म करने की दिशा में मिलकर काम करे।

नहीं थम रहे विरोध प्रदर्शन : म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के खिलाफ सड़कों पर उतर रहे प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की फायरिंग के बावजूद विरोध प्रदर्शन थम नहीं रहे हैं। कई शहरों में मंगलवार को भी प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन किए। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा बलों के साथ टकराव टालने का प्रयास किया। इधर, गत रविवार और सोमवार को सुरक्षा बलों की फायरिंग में मारे गए प्रदर्शनकारियों का अंतिम संस्कार किया गया। रविवार को 38 और सोमवार को छह लोगों की मौत हुई थी। इस बीच, सेना ने अपदस्थ सरकार के अंतरराष्ट्रीय दूत पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत अब तक ३१२० करोड़ आवंटित

सूरत मनपा और ध्रोळ एवं वापी नपा के विकास कार्यों के लिए १६५.२० करोड़ मंजूर

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य के सूरत महानगर और वापी एवं ध्रोळ नगरों में आधारभूत सुविधा विकास सहित सड़क, स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज लाइन और रेलवे फ्लाईओवर तथा जनभागीदारी के अंतर्गत विभिन्न कार्यों के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत १६५.२० करोड़ रूपए मंजूर किए हैं। रूपाणी ने इस उद्देश्य से सूरत महानगर पालिका को ११४.६६ करोड़ रूपए आवंटित किए हैं।

इस रकम से सूरत महानगर में निजी सोसायटी जनभागीदारी के कार्यों के तहत सीसी रोड, स्ट्रीट लाइट, पानी की पाइपलाइन और ड्रेनेज लाइन के ७७५ कार्य शुरू किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने योजनाबद्ध शहरी विकास की दिशा को रफ्तार देने वाले विकास कार्यों के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत महानगर पालिका और नगर पालिकाओं को सीधे धन-अनुदान आवंटन का दृष्टिकोण अपनाया है।

उन्होंने वित्त वर्ष २०२०-२१ में अब तक कुल ३१२० करोड़ रूपए की राशि महानगरों और नगरों को स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत आवंटित की है।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सूरत महानगर के अलावा वापी नगर पालिका को जीआईडीसी, जे टाइप रोड तथा नामधा रोड से जोड़ने वाला रेलवे क्रॉसिंग फ्लाईओवर बनाने के लिए ५० करोड़ रूपए का अनुदान आवंटित किया है।

इतना ही नहीं, ध्रोळ नगर पालिका को पेवर ब्लॉक बिछाने के कार्य के लिए ५४ लाख रूपए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत आवंटित किए हैं।

मुख्यमंत्री के इस पारदर्शी एवं त्वरित निर्णायकता पूर्ण दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप राज्य के महानगरों और नगरों को विश्वस्तरीय स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित करने का मार्ग और भी सरल हुआ है।

गुजरात के कई शहरों में ३१ मार्च तक नाइट कर्फ्यू लागू

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,गुजरात में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए कई शहरों में नाइट कर्फ्यू लगाया गया है। गुजरात सरकार ने अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा समेत कई शहरों में १७ मार्च से ३१ मार्च तक रात १० बजे से सुबह ६ बजे तक नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया है। राज्य सरकार के मुताबिक, वर्तमान में गुजरात में ४७१७ एक्टिव केस हैं और २६९९५५ लोग स्वस्थ भी हुए हैं। वहीं राज्य में कोरोना से अब तक ४४२५ लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें कि भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के २४,४९२ नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर १,१४,०९,८३१ हो गई। देश में लगातार छठे दिन २० हजार से अधिक नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कर्नाटक, पंजाब, तमिलनाडु, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। इसका असर अहमदाबाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर पड़ा है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दर्शन के आने पर पाबंदी लगा दी गई है। भारत और इंग्लैंड के बीच अब बाकी बचे मुकाबले दर्शकों के बिना ही होंगे, यानि कि सभी खिलाड़ी खाली मैदान में खेलेंगे।

गुजरात में कोरोना के ९५४ नए केस, अहमदाबाद में २ मरीजों की मौत

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,गुजरात में कोरोना बेकाबू हो चला है और हर दिन ६०-७० केसों का इजाफा हो रहा है। मंगलवार को राज्य में कोरोना के ९५४ नए मरीज सामने आए और ७०३ ठीक होकर अपने घर लौट गए। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में कोरोना से २ मरीजों की मौत हो गई। राज्य के दो जिलों में कोरोना का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बीते २४ घंटों में कोरोना के सबसे अधिक २६३ केस सूरत में दर्ज हुए । दूसरे नंबर पर अहमदाबाद में २४१ कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए। वडोदरा कॉर्पोरेशन में ९२, राजकोट कॉर्पोरेशन में ८०, सूरत में २९, भरुच में २६, वडोदरा में १७, खेडा में १५, आणंद, जामनगर कॉर्पोरेशन और मेहसाणा में १४-१४, भावनगर कॉर्पोरेशन और गांधीनगर कॉर्पोरेशन में १२-१२, कच्छ और पंचमहल में १०-१०, गांधीनगर

में ९, छोटाउदेपुर, दाहोद और महीसागर में ८-८, मोरबी में ७, अहमदाबाद, अमरेली, जामनगर और साबरकांठा में ६-६, पाटन, राजकोट और सुरेन्द्रनगर में ५-५ समेत राज्यभर में कुल ९५४ कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। सूरत कॉर्पोरेशन में १७१ और अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में १४६ समेत राज्य में ७०३ मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। इसी के साथ राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने वालों की संख्या २७०६५८ हो गई है। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में आज २ मरीजों की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक ४४२७ पर पहुंच गया है। राज्य में फिलहाल कोरोना के ४९६६ सक्रिय मरीजों में ४९०८ स्टेबल हैं और ५८ मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। मंगलवार को बोटाद और डांग समेत राज्य के दो जिलों में कोरोना का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक २२१५०९२ लोगों को पहला और ५४२९८१ लोगों को कोरोना का दूसरा टीका लगाने की प्रक्रिया पूर्ण हो गई। आज ६० वर्ष से अधिक आयु के और ४५ से ६० साल के गंभीर बीमारियों से पीड़ित समेत कुल १४१२७० लोगों को कोरोना टीका लगाया गया।

चार महानगरों में १० बजे बाद रोडवेज की बसों को प्रवेश नहीं, डिपो भी बंद

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद, गुजरात में फिर एक बार कोरोना कहर बरपाने लगा है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए राज्य सरकार ने ३१ मार्च तक रात्रिकालीन कर्फ्यू बढ़ा दिया है। कर्फ्यू का समय भी रात १२ बजे से घटाकर रात १० बजे से सुबह ६ बजे तक कर दिया है। यह व्यवस्था १७ मार्च से ३१ मार्च तक जारी रहेगी। रात्रिकालीन कर्फ्यू की अवधि बढ़ने के बाद गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम ने कर्फ्यूग्रस्त चार महानगरों में रात १० बजे के बाद रोडवेज की बसों का संचालन रोक दिया है। रात १० बजे से सुबह ६ बजे तक अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट में रोडवेज की बसें दाखिल नहीं होंगी। इन महानगरों में आनेवाले यात्रियों को शहर के बाहर उतारकर बसें बाइपास से गुजर जाएंगी। इन चार शहरों में रात १० बजे के बाद सुबह ६ बजे तक बस डिपो भी पूरी तरह बंद रहेंगे। गुजरात सरकार द्वारा रात्रिकालीन कर्फ्यू की अवधि बढाए जाने के बाद राज्य परिवहन निगम ने यह फैसला किया है।

सार-समाचार

वैक्सीन लेने के दो दिन बाद कोरोना पॉजिटिव हुए गुजरात के मंत्री

अहमदाबाद,बीते कुछ समय भारत में कोरोना का रफ्तार कम हुई थी लेकिन अब फिर से इसने तेजी पकड़ ली है। इधर, गुजरात के खेल राज्य मंत्री ईश्वरसिंह पटेल कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने ट्विटर पर खुद इसकी जानकारी दी। उन्हें यूएन मेहता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अजीब बात ये है कि उन्होंने १३ मार्च को ही कोरोना की वैक्सीन ली थी। इसके बाद भी वे कोरोना संक्रमित हो गए। पटेल ने ट्वीट करे इस बात की जानकारी दी। देश भर में अब तक कोरोना वैक्सीन की ३,२९,४७,४३२ डोज लगाई जा चुकी है। सोमवार के आंकड़ों से वैक्सीनेशन में ३० लाख से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, ५ राज्यों महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात और तमिलनाडु में कोविड-१९ के नए मामले सबसे ज्यादा बढ़ रहे हैं। सोमवार के डेटा के अनुसार, पिछले २४ घंटों में कुल नए केस में ७८.४१ प्रतिशत मामले इन्हीं राज्यों के थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि देश में संक्रमण के बढ़ते मामलों का प्रमुख कारण उचित कोविड व्यवहार में लापरवाही करना है। कोरोना के दोबारा बढ़ते खतरे और वैक्सीनेशन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को एक बार फिर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे।

सोमनाथ के लुटेरे महमद गजनवी की प्रशंसा करने वाले शख्स की तलाश तेज

अहमदाबाद,सौराष्ट्र स्थित सोमनाथ मंदिर को लूटने वाले कुख्यात लुटेरे महमद गजनवी की प्रशंसा कर एक शख्स हिन्दुओं की भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया है। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने इस शख्स गिरफ्तार कर सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के महाप्रबंधक विजयसिंह चावडा ने पुलिस से लिखित शिकायत की है। जिसके आधार पर पुलिस ने इस शख्स की तलाश शुरूकर दी है। जानकारी के मुताबिक सोमनाथ मंदिर के पीछे समुद्र किनारे खड़ा एक शख्स सोमनाथ मंदिर को दिखाते हुए इसे लूटने के लिए महमद गजनवी की तारीफ कर रहा है। ३ मिनट २४ सैकंड के वीडियो में लोगों से इस घटना पर गर्व करने और युवा पीढी को महमद गजनवी के बारे में बताने की अपील कर रहा है। सोमनाथ पर आक्रमण करने और लूटने के लिए महमद गजनवी की प्रशंसा करनेवाले शख्स का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश है और इस शख्स को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा देने की मांग की है। सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के महाप्रबंधक विजयसिंह चावडा की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरूकर दी है। वीडियो में देखने वाला शख्स ईर्शाद रशीद है, जो 'जमाते आदिला हिन्द' नामक यूट्युब चैनल चलाता है और उसमें सांप्रदायिक माहौल खराब हो, ऐसे वीडियो पोस्ट करता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रैलियों में कम भीड़ से अमित शाह हताश, रच रहे हैं हमारे विरूद्ध साजिश: ममता

मेजिया/छतना (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को परेशान करने की साजिश रचने का आरोप लगाया और जानना चाहा कि कहीं चुनाव आयोग उनके इशारे पर तो काम नहीं कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि शाह अपनी रैलियों में कम भीड़ से हताश हो गये हैं। बनर्जी ने बांकुरा के मेजिया में एक चुनावी जनसभा में यह आरोप भी लगाया कि भाजपा उनकी हत्या की साजिश रच रही है क्योंकि पूर्व मेदिनीपुर के नंदीग्राम में पिछले सप्ताह उनके घायल होने के बाद चुनाव आयोग ने उनके सुरक्षा निदेशक विवेक सहाय को हटा दिया। नंदीग्राम में अपने ऊपर हुए कथित हमले का जिक्र करते हुए बनर्जी ने कहा कि कोई भी जख्म उन्हें विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की जीत सुनिश्चित करने से रोक नहीं पाएगा। नंदीग्राम में उनका, कभी उनके सिपहसालार रहे और अब भाजपा के नेता सुभेंदु अधिकारी से चुनावी मुकाबला होगा।

तृणमूल प्रमुख ने यहां एक रैली में कहा, ''अमित शाह हताश हो गये हैं क्योंकि उनकी रैलियों में भीड़ नहीं जुट रही है। देश चलाने के बजाय वह कोलकाता में बैठे हैं और तृणमूल कांगेस के नेताओं को परेशान करने की साजिश रच रहे हैं। वे चाहते क्या हैं? क्या वे मेरी हत्या करना चाहते हैं?क्या वे सोचते हैं कि वे मुझे मार कर यह चुनाव जीत लेंगे। यदि वे ऐसा सोचते हैं, तो वे गलत हैं। '' चुनाव आयोग से शाह की 'हरकतों' का संज्ञान लेने की अपील करते हुए बनर्जी ने आश्चर्य से कहा कि क्या आयोग भगवा पार्टी का राजनीतिक औजार बनकर रह गया है। उन्होंने सवाल किया, '' क्या अमित शाह चुनाव आयोग को चला रहे हैं? उसकी (आयोग की) स्वतंत्रता को क्या हुआ? मेरे सुरक्षा निदेशक (विवेक सहाय) को (आयोग ने) उनके (शाह के) निर्देश पर हटा दिया।'' बनर्जी ने दावा किया कि सोमवार रात को शाह ने प्रदेश भाजपा के साथ जो बैठकें की हैं, उससे वह समझ गये हैं कि भाजपा विधानसभा चुनाव जीतने से मीलों दूर है। उन्होंने कहा, '' क्या गृहमंत्री देश चलायेंगे या वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों , नेताओं को परेशान करने में समय बितायेंगे? क्या वह गृह सचिव को परेशान करेंगे? सीबीआई नोटिस भेजेंगे?'' उन्होंने कहा, '' वे सभी होटल बुक करा रहे हैं। वे तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों के विरूद्ध साजिश रच रहे हैं,राजनीतिक विरोधियों के यहां सीबीआई एवं ईडी की टीमें भेजते हैं। वे नंदीग्राम जमीन आंदोलन करने वालों को नोटिस भेज रहे हैं। बांकुरा और बंगाल को इस तानाशाहों को हार का मार्ग दिखाना चाहिए।'' हर नागरिक के लिए मुफ्त एलपीजी गैस की मांग करते हुए बनर्जी ने कहा कि भाजपा रेलवे, कोल इंडिया को बेच रही है, बीएसएनएल एवं बैंकों को बंद कर रही है ऐसे में लोगों को इस कदम के खिलाफ एकजुट हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा, '' उन्होंने एक स्टेडियम का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रख दिया। यदि उनका वश चले तो वे देश का नाम भी बदल डालेगे।'' छतना में एक अन्य चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा, '' बंगाल यह तय करने के लिए शीघ्र ही मतदान करेगा कि कमान किसके हाथ में होगी।'' उन्होंने शाह पर प्रहार जारी रखते हुए कहा, '' एक ऐसे गृहमंत्री हैं जो बिरसा मुंडा की प्रतिमा समझकर किसी और की प्रतिमा पर माला चढ़ा देते हैं। विद्यासागर की प्रतिमा उनकी मौजूदगी में तोड़ डाली गयी।'' उन्होंने कहा, '' वह पंचसितारा होटलों से खाना मंगवाकर आदिवासियों एवं पिछड़ों के यहां खाते हैं और उनके प्रति अपना प्यार झलकाते हैं, यह बस बस कैमरे के लिए होता है।'' बनर्जी ने प्रधानमंत्री पर राज्य में सभी के लिए मुफ्त कोविड-19 टीकाकरण के उनके अनुरोध का जवाब नहीं देने का आरोप लगाया।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारत को विश्व गुरू बनाने का है: भाजपा

नयी दिल्ली। कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर देश में शिक्षा के क्षेत्र में कोई सकारात्मक बदलाव लाने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने मंगलवार को कहा कि नई शिक्षा नीति का लक्ष्य बुनियादी शिक्षा से अनुसंधान एवं पेटेंट तक आमूलचूल बदलाव लाकर भारत को विश्वगुरू बनाने का है। लोकसभा में वर्ष 2021-22 के लिए शिक्षा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के संजय जायसवाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति का लक्ष्य भारत को विश्वगुरू बनाने का है और 2022 में आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर इसका उत्सव मनाना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नीत राजग से पहले रहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें इस दिशा में कुछ नहीं कर पाईं। जायसवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पुरानी चली आ रही शिक्षा में बदलाव के लिए कुछ नहीं किया बल्कि भारत के विद्वानों और साहित्यकारों से पीछे रखने का प्रयास किया। जायसवाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति की रूपरेखा दूरगामी और अच्छे परिणाम देने वाली होगी। उन्होंने कहा, '' नई शिक्षा नीति का लक्ष्य बुनियादी शिक्षा से अनुसंधान एवं पेटेंट तक आमूलचूल बदलाव लाकर भारत को विश्वगुरू बनाने का है।'' जायसवाल ने कहा कि संप्रग सरकार ने शिक्षा को बदहाल करने का प्रयास किया और 2009 में लाई गयी बच्चों को अनुत्तीर्ण नहीं करने संबंधी (नो डिटेंशन) नीति इसका उदाहरण है। भाजपा सांसद ने कहा कि इस बजट में विश्वस्तरीय संस्थानों के लिए 176 प्रतिशत राशि वृद्धि की गयी है और डिजिटल ई-लर्निंग में 20 प्रतिशत आवंटन बढ़ाया है। उन्होंने कहा भारत पेटेंट कराने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है और भारत सरकार अनुसंधान के प्रति गंभीर है। जायसवाल ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय विदेशियों को महिमामंडित करने के बजाय भारतीयता को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने देश में चल रहे कोचिंग संस्थानों का उल्लेख करते हुए कहा कि कोचिंग संस्थानों के नियमन को लेकर प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 10वीं कक्षा से पहले किसी कोचिंग संस्थान में मेडिकल या इंजीनियरिंग को लेकर चर्चा नहीं होनी चाहिए। अगर बच्चे शुरू से ही इस बारे में सोचेंगे तो उनका विकास कैसे होगा।

सार समाचार

जितना शिवसेना वाजे का बचाव करेगी, उतना शक बढ़ेगा: भाजपा

मुंबई। भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने मंगलवार को कहा कि अगर सत्तारूढ़ शिवसेना निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाजे का बचाव करना जारी रखती है तो महाराष्ट्र सरकार की मंशा पर और ज्यादा सवाल उठेंगे। दरेकर ने यहां पत्रकारों से कहा कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटकों से लदी कार मिलने के मामले में सहायक पुलिस निरीक्षक वाजे को गिरफ्तार करने वाले राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) एक सक्षम एजेंसी है। उन्होंने कहा, 'शिवसेना जितना बचाव सचिन वाजे का करेगी, शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की सरकार की मंशा को लेकर उतना ज्यादा संदेह बढ़ेगा।' महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता दरेकर ने कहा, 'मेरा ख्याल है कि वाजे के पूरे प्रकरण के पीछे एक गहरी साजिश है।' उन्होंने आरोप लगाया, ꖴजिस तरह से राज्य सरकार के स्तर पर कई बैठकें की जा रही हैं, उससे संकेत मिलता है कि कुछ वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और राजनीतिक नेता शामिल हैं।ꖴ भाजपा पर महाराष्ट्र को बदनाम करने के सरकार के आरोप पर दरेकर ने कहा कि सरकार खुद बदनाम हो रही है। उन्होंने कहा, ꖴउनकी खुद की छवि खराब हो रही है और न कि महाराष्ट्र की।ꖴ एनआईए ने वाजे को शनिवार को गिरफ्तार किया था और सोमवार को उन्हें निलंबित कर दिया गया था। वह कारोबारी मनसुख हिरन की रहस्मय मौत के आरोप का सामना कर रहे हैं। हिरन ने दावा किया था कि अंबानी के घर के बाहर से मिली गाड़ी उनके कब्जे से चोरी हो गई थी। शिवसेना मुखपत्र सामना में पार्टी ने सोमवार को आरोप लगाया कि वाजे ने पत्रकार अर्नब गोस्वामी को अन्वय नाइक खुदकुशी मामले में गिरफ्तार किया था। इसलिए वह 'भाजपा और केंद्र की हिट लिस्ट' में थे।

गर्भपात की मौजूदा सीमा को बढ़ाकर 24 सप्ताह करने का विधेयक राज्यसभा से पारित

नयी दिल्ली। राज्यसभा ने मंगलवार को गर्भ का चिकित्सकीय समापन संशोधन विधेयक 2020 पारित कर दिया जिसमें गर्भपात की मंजूर सीमा को वर्तमान 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह करने का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने सदन में विधेयक पर हुयी चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इसे व्यापक विचार विमर्श कर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक लंबे समय से प्रतीक्षित है और लोकसभा में यह पिछले साल पारित हो चुका है। वहां यह विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुआ था। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को तैयार करने से पहले दुनिया भर के कानूनों का भी अध्ययन किया गया था। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इससे पहले सदन ने विधेयक को प्रवर समिति में भेजने सहित अन्य विपक्षी संशोधनों को अस्वीकार कर दिया वहीं सरकार द्वारा लाए गए संशोधनों को स्वीकार कर लिया।

उपराज्यपाल संबंधी विधेयक के खिलाफ जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेगी आम आदमी पार्टी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मंत्री और आम आदमी पार्टी 'आप' के सांसद, विधायक एवं पार्षद उपराज्यपाल को व्यापक शक्तियां देने वाले केंद्र के विधेयक के खिलाफ बुधवार को यहां जंतर मंतर में प्रदर्शन करेंगे। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व संभवत- मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल करेंगे, क्योंकि आप की योजना केंद्र सरकार के कदम के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराना है। राज्य में कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा, ''दिल्ली के सभी कैबिनेट मंत्री, विधायक, आप सांसद और पार्षद विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे।'' उन्होंने कहा कि लोकसभा में सोमवार को पेश किया गया केंद्र सरकार का विधेयक ''असंवैधानिक'' है। केजरीवाल ने सोमवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि वह लोकसभा में एक नया विधेयक लाकर उनकी चुनी हुई सरकार की शक्तियों को ''बहुत कम'' करना चाहती है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक, 2021 के अनुसार, दिल्ली विधानसभा में पारित विधान के परिप्रेक्ष्य में ''सरकार'' का आशय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के ''उपराज्यपाल'' से होगा। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को कहा था कि केंद्र सरकार का यह विधेयक उपराज्यपाल को अनुचित शक्तियां देकर दिल्ली की प्रगति को बाधित कर देगा।

टीकाकरण में राजस्थान देश भर में आगे, 31.51 लाख लोगों ने लगवाया टीका

जयपुर। कोरोना वायरस प्रतिरक्षण टीकाकरण में राजस्थान देश भर में आगे बना हुआ है जहां मंगलवार सुबह तक कुल मिलाकर 31.50 लाख लोगों को टीके की पहली या दूसरी खुराक लगाई जा चुकी है। राज्य सरकार के मंत्री ने इसकी जानकारी दी। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने बताया कि 16 मार्च सुबह सात बजे तक राज्य में 26 लाख 63 हजार 348 लोगों ने टीके की पहली खुराक और चार लाख 88 हजार 324लोगों ने दूसरी खुराक लगवा ली है। इस तरह राज्य में टीकाकरण से कुल मिलाकर 31 लाख 51672 लोग लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में टीकाकरण के लिहाज से दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है, जहां 28 लाख 58 हजार लोगों ने और तीसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल है, जहां 26 लाख से ज्यादा लोगों ने टीके लगवाए हैं। मंत्री ने बताया कि देश भर में अब तक तीन करोड़ 29 लाख 47 हजार 432 लोगों को अब तक कोई न कोई खुराक लग चुकी है।

बीजेपी के द्वारा लाये गये बदलाव ने ममता को मंदिर जाने, 'चंडी पाठ' करने पर मजबूर किया: योगी आदित्यनाथ

बलरामपुर (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि केन्द्र की सत्ता में आने के बाद भाजपा द्वारा लोगों की मानसिकता में लाए गए बदलावों के कारण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सार्वजनिक रूप से 'चंडी पाठ' करने और मंदिर जाने को मजबूर हुई हैं। उन्होंने चुनावी राज्यों में दर्शन के लिए मंदिर जाने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। पुरुलिया जिले के बलरामपुर में चुनावी रैली में भगवा दल के स्टार प्रचारक ने कहा कि भाजपा के 2014 में केन्द्र की सत्ता में आने से पहले लोगों का एक ऐसा धड़ा विकसित किया गया था जिसे लगता था कि मंदिर जाने से उनकी धर्मनिरपेक्ष छवि खराब हो जाएगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, ''बदलाव आया है... ममता दीदी भी मंदिर जा रही हैं और 'चंडी पाठ' कर रही हैं। क्या यह बदलाव नहीं है। यह नया

भारत है। सभी को भगवान के पास जाना है।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी चुनावों के दौरान मंदिर जाते हैं। और जब वह (राहुल गांधी) वहां जाते हैं तो पुजारी को उन्हें वहां बैठने का उचित तरीका बताना पड़ता है।''

आदित्यनाथ ने केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को लागू नहीं करने को लेकर पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार की आलोचना की। राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने की अपील करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि सत्ता में आने पर पार्टी ''राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्या'' के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाएगी। उन्होंने कहा, ''यह स्वामी (विवेकानंद) रबिन्द्रनाथ (ठाकुर), श्यामा प्रसाद (मुखर्जी) की धरती है जिन्होंने पूरे देश को प्रेरित किया है। लेकिन अब यह तृणमूल कांग्रेस समर्थित गुंडों और 'तोलाबाज' की धरती बन गयी है।'' आदित्यनाथ ने कहा, ''मुझे लगता है कि ममता दीदी की सरकार के अब गिने-चुने दिन ही बचे हैं। राज्य के लोगों ने उन्हें सत्ता से बाहर करने का मन बना लिया है। उनके सिर्फ 45 दिन बचे हैं।'' 'चंडी पाठ' सनातन धर्म में मंत्रोच्चार के माध्यम से माता की पूजा की सबसे पुरानी और पूर्ण प्रक्रिया है। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए 27 मार्च से आठ चरणों में चुनाव हो रहा है। वोटों की गिनती दो मई को होनी है।

दिल्ली-नोएडा बॉर्डर ब्लॉक करने की तैयारी में राकेश टिकैत, अभी तारीख नहीं हुई तय

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र के तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन पिछले 110 दिनों से जारी है। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बड़ा बयान दिया है। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि हम बॉर्डर को ब्लॉक करेंगे। दरअसल, राकेश टिकैत ने दिल्ली-नोएडा बॉर्डर को ब्लॉक करने की बात कही है। हालांकि किसान नेता ने यह नहीं बताया कि बॉर्डर को कब ब्लॉक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बॉर्डर को ब्लॉक करने की तारीख समिति तय करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राकेश टिकैत ने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैंने किसानों से कहा है कि ये लोग आपसे एक मुट्ठी चावल मांग रहे हैं तो आप उनसे इसका एमएसपी मांगो। उल्लेखनीय है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल चुनावों के मद्देनजर एक मुट्ठी चावल अभियान की शुरुआत की थी। जिसके तहत भाजपा कार्यकर्ता किसानों से एक मुट्ठी चावल मांगेंगे और फिर बाद में एकत्रित आनाज के द्वारा सामूहिक भोज का आयोजन किया जाएगा।

भाजपा का विरोध कर रहे किसान नेता

किसान नेताओं ने बंगाल में भाजपा का विरोध करने की रणनीति तैयार की है। इसके लिए वह बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में महापंचायत का आयोजन कर किसानों से भाजपा के पक्ष में वोट नहीं देने की अपील कर रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि आप भाजपा को छोड़कर जिसे वोट देना चाहें दें लेकिन भाजपा को नहीं दें।

भारत ने आतंकवाद और विस्तारवाद के खिलाफ स्पष्ट नीति व्यक्त की है: लोकसभा अध्यक्ष

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, विस्तारवाद के खिलाफ नीति को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। उन्होंने साथ ही कहा कि भारत संवाद के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों के समाधान का पक्षधर है। लोकसभा अध्यक्ष ने यह बात अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) के अध्यक्ष दुआरते पचेको के स्वागत समारोह के दौरान कही। बिरला ने दोहराया, ''हर देश की अपनी संप्रभुता है। इसे मद्देनजर रखते हुए आवश्यक है कि किसी देश के अंदरूनी विषयों या उसकी संसद में बने कानूनों पर अन्य देशों की संसद में चर्चा नहीं होनी चाहिए।''

समझा जाता है कि उनका संकेत ब्रिटेन की संसद में हाल में किसानों के मुद्दे पर हुई चर्चा की ओर था। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत ने हमेशा वैश्विक शांति एवं स्थिरता के लिये काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, विस्तारवाद के खिलाफ नीति को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। उन्होंने कहा, ''भारत संवाद के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों के समाधान का पक्षधर है।'' बिरला ने कहा कि भारतीय संसद लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत कर रही है तथा विश्व में लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयत्नशील है। इस अवसर पर पुर्तगाली संसद के सदस्य पचेको ने भारत को आईपीयू का खास मित्र बताया और कहा कि उसने संसदीय कूटनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

वैश्विक व्यवस्था में भारत को उचित स्थान मिलने पर जोर देते हुए पचेको ने कहा, '' पुर्तगाल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन करता है। '' प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए पचेको ने कहा कि भारत ने आर्थिक और सामाजिक विकास में काफी उपलब्धियां हासिल की हैं और उनके नेतृत्व में भारत में गरीबी घटी है।

सीमा विवाद- शिवसेना चाहती है कि बेलगाम को केन्द्र शासित प्रदेश किया जाए घोषित

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना ने मंगलवार को बेलगाम में कन्नड़ समर्थक संगठनों के मराठी भाषी लोगों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए उसे केन्द्र शासित प्रदेश घोषित करने की मांग की। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में आरोप लगाया कि बेलगाम में हाल ही में कन्नड़ समर्थक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मराठी बोलने वालों को पीटा, दुकानों पर मराठी में लगे बोर्ड हटा दिए और मराठी समर्थक लोगों को सोशल मीडिया पर भी निशाना बनाया जा रहा है। उसने दावा किया कि कर्नाटक की पुलिस भी मराठी लोगों को पेरशान कर रही है। उसने कहा, '' अगर अत्याचार नहीं रुकने वाला, तो केन्द्र को बेलगाम को केन्द्र शासित प्रदेश घोषित कर देना चाहिए।'' महाराष्ट्र का कहना है कि बेलगाम, कारवार और निपानी सहित कर्नाटक के कई क्षेत्रों की अधिकतर आबादी मराठी बोलती है। दोनों राज्यों के बीच बेलगाम और अन्य सीमावर्ती इलाकों को लेकर विवाद से जुड़ा मामला कई वर्ष से उच्चतम न्यायालय में लंबित है। मुखपत्र 'सामना' के सम्पादकीय में महाराष्ट्र में भाजपा के नेता देवेन्द्र फडणवीस से यह मामला केन्द्र और कर्नाटक के मुख्यमंत्री के समक्ष उठाने का अनुरोध भी किया गया। सम्पादकीय में कहा कि मराठी लोग मध्य प्रदेश के इंदौर और गुजरात के वडोदरा में भी हैं, लेकिन वहां स्थानीय लोगों से उनका कभी कोई विवाद नहीं हुआ। उसने कहा कि महाराष्ट्र में भी कई वर्षों से विभिन्न भाषाएं बोलने वाले लोग रहते है और मराठी लोगों ने उनके साथ कभी दुर्व्यवहार नहीं किया। शिवसेना ने आरोप लगाया, '' कर्नाटक में भाजपा सरकार जिस तरह से स्थानीय लोगों द्वारा मराठी समुदाय पर किए जा रहे अत्याचार के मामले से निपट रही है, उससे लगता है कि वह असामाजिक तत्वों को बढ़ावा दे रही है।'' सम्पादकीय में कहा गया कि सीमा विवाद के मामले के उच्चतम न्यायालय में लंबित होने के दौरान मराठी बोलने वालों के साथ इस तरह का व्यवहार ''गैरकानूनी'' है।

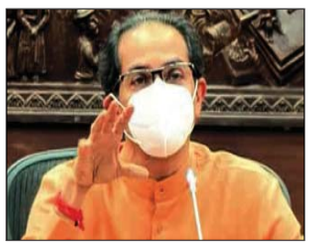

कोरोना नियमों का नहीं करेंगे पालन तो दिल्ली मेट्रो लेगी एक्शन! लॉकडाउन के बाद बड़ी संख्या में कटा चालान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में कोरोना के मामले फिर से ऊपर जा रहे हैं लेकिन दिल्लवासियों को शायद यह बात अब आम सी लगने लगी है। आप जब दिल्ली मेट्रो में सफर करेंगे तब आपको शायद समझ आएगा कि लोग अब कोरोना को काफी हल्के में ले रहे है। पहले जहां कोरोना के नाम से ही लोगों को डर लगने लगता था वहीं अब आप अगर दिल्ली की मेट्रो में सफर करेंगे तो पता चलेगा कि लोगों को कोरोना से अब कोई फर्क ही नहीं पड़ता है। एक जगह जहां सोशल डिस्टेसिंग और मास्क के लिए हर मेट्रो स्टेशन में स्टीकर और पूरी जानाकरियां दी गई है वहीं अब लोग इन्हें पढ़कर भी नजरअंदाज करते नज़र आ रहे है।

टीओआई की एक खबर के अनुसार, दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा साझा किए गए आंकड़े बताते हैं कि ट्रेन कंपनी के फ्लाइंग स्क्वॉड द्वारा एक अभियान चलाया गया था जिसमें कोरोना के नियमों का पालन नहीं करने वालों को दंडित किया जाता था। चूंकि दिल्ली मेट्रो के परिचालन और रखरखाव अधिनियम में उन लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने या सामाजिक भेदभाव का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए छ्रस्रूष्ट मेट्रो परिसर पर 'उपद्रव' के लिए 200 रुपये का जुर्माना लगाया जाता है।

दिल्ली-मेट्रो ने लिया दमदार एक्शन

गौरतलब है कि, महामारी के कारण पिछले साल 169 दिनों के लिए बंद रहने के बाद, दिल्ली मेट्रो ने 7 सितंबर, 2020 से अपनी सेवाएं फिर से शुरू कर दीं। आपको बता दें कि जब मेट्रो दोबारा शुरू हुआ तब मेट्रो के अंदर DMRC ने अपने टीमों को तैनात किया जिसके तहत टीमों ने 5,80,80 यात्रियों को कोरोना के नियमों का पालन नहीं करने पर दंडित किया था।अक्टूबर में, जुर्माना लगाने वाले यात्रियों की संख्या 5,645 हो गई थी। हालाँकि, दिल्ली में भी कोविड मामलों की सबसे खराब लहर देखी गई, DMRC के फ्लाइंग स्क्वॉड ने नवंबर में केवल 3,174 उल्लंघनकर्ताओं का पता लगाया और दिसंबर में 2,257 से भी कम। इस महीने, पहले सप्ताह में लगभग 1,000 यात्रियों को दंडित किया गया । डीएमआरसी के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले साल सितंबर से इस अभियान की तीव्रता में वृद्धि हुई थी। उन्होंने महसूस किया कि यात्रियों को अब कोविड सावधानियों की आदत हो गई है।

आपको बता दें कि स्क्वाड का नेतृत्व DMRC के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा किया जाता है जो यात्रियों को दंडित करते है। भुगतान के लिए डेबिट या क्रेडिट कार्ड के माध्यम से पॉइंट-ऑफ-सेल मशीन के साथ कम से कम एक अधिकारी होता है। जानकारी के मुताबिक, 11 सितंबर को तैनाती के बाद फ्लाइंग स्क्वॉड ने 20 सितंबर तक 2,214 यात्रियों को दंडित किया। यह ठीक से फेस मास्क नहीं पहनने या सामाजिक गड़बड़ी के बारे में पर्याप्त सावधानी नहीं बरतने के लिए 5,000 यात्रियों पर जुर्माना लगाया गया था। प्रारंभ में, DMRC ने मेट्रो यात्रा के लिए नए मानदंडों के मद्देनजर यात्रियों की सहायता और मार्गदर्शन करने के लिए रेल नेटवर्क पर लगभग 1,000 अधिकारियों को तैनात किया था।

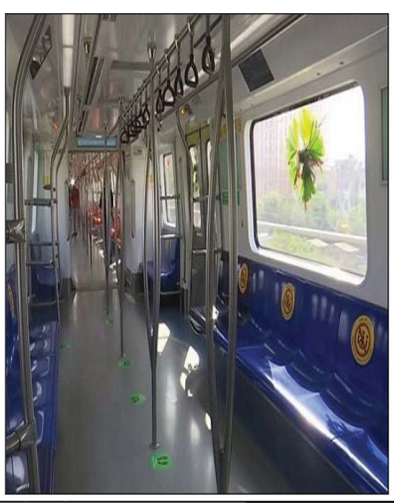

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)